■ वैशाख कृष्णा - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 271 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 29-04-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर रहेगा भारत : चिदंबरम

6 विरासत कर कानून विवाद में बैकफुट पर कांग्रेस

7 मुयमंत्री मोहन यादव ने प्रियंका पर साधा निशाना, 'नकली' गांधी बताया

फर्स्ट टेक

पूर्वी भारत के 80 मार्गों पर रोज़ चलेगी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय रेलवे अगले तीन साल के भीतर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से बिहार समेत पूर्वी भारत के करीब 80 मार्गों पर प्रतिदिन कम से कम एक अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन करने लगेगी, जिससे अल्प आय वर्ग के यात्रियों को तेजगति से आरामदेह यात्रा की सुविधा मिलेगी और अन्य गाड़ियों पर उनकी निर्भरता भी घटेगी। रेलवे बोर्ड के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार रेल मंत्रालय ने अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के प्रयोग की सफलता को देखते हुए करीब साढ़े चार सौ अमृत भारत गाड़ियों के निर्माण का ऑर्डर दे दिया है और तीन से चार साल में ये गाड़ियां पटरियों पर दौड़ती नज़र आएंगीं। सूत्रों ने कहा कि इसके अलावा मौजूदा एलएचबी रैक वाली गाड़ियों को भी धीरे धीरे अमृत भारत ट्रेन सेट की डिज़ायन में ढाला जाएगा।

इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के 12 ठिकानों पर किए हमले

गाजा/एजेन्सी। इजरायली वायु सेना (आईडीएफ) ने पिछले दिनों गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी हमास आंदोलन के रॉकेट लॉन्चरों सहित दर्जनों ठिकानों पर हमला किया और फिलिस्तीनी क्षेत्र में अज्ञात संख्या में कट्टरपंथियों को नष्ट कर दिया। आईडीएफ ने रविवार को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया,पिछले दिन, आईडीएफ के लड़ाकू विमानों और अतिरिक्त विमानों ने आतंकवादी बुनियादी ढांचे, प्रक्षेपण स्थलों, सशस्त्र आतंकवादियों तथा अवलोकन चौकियों सहित दर्जनों आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इसके अलावा, इजरायली नौसेना के सैनिकों ने भी हमास के ठिकानों पर हमला किया और मध्य गाजा पट्टी में आईडीएफ जमीनी सैनिकों की सहायता करने का काम किया।

इंडोनेशिया में आया 6.5 तीव्रता का भूकंप

जकार्ता/वार्ता/शिन्हुआ। इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत में शनिवार शाम समुद्र के अंदर 6.5 तीव्रता का भूकंप आने के बावजूद बड़ी लहरें नहीं उठीं। देश की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने कहा कि भूकंप जकार्ता समय के अनुसार शनिवार को रात साढ़े ग्यारह बजे आया, जिसका केंद्र गारुत रीजेंसी से 151 किमी दक्षिण पश्चिम और 10 किमी की गहराई में स्थित था। बताया गया है कि भूकंप के झटके इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता और निकटवर्ती बैंटन प्रांत के साथ-साथ मध्य जावा, योग्यकार्ता और पूर्वी जावा प्रांतों में भी महसूस किए गए।

29-04-2024	30-04-2024
सूर्यास्त 5:59 बजे	सूर्योदय 6:34 बजे

BSE	NSE
73,730.16	22,419.95
(-609.28)	(-150.40)

सोना	चांदी
7,644 रु.	86,016 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ईवीएम गल्प

ईवीएम से खतरा,
बता कर दे रहे गच्चा।
समझते हैं अभी तक भी,
ये वोटर को निरा बच्चा।
जो जीते यदि इलेक्शन तो,
कहेंगे तर्क था कच्चा।
मगर जब हार होगी तो,
बहाना है यही सच्चा।।

कांग्रेस पर तिखा हमला बोलते हुए मोदी ने कहा

पीएफआई बन गई है कांग्रेस की जीवन रेखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बल्लारी/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के बेल्लारी में रविवार को कांग्रेस और प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर तिखा हमला बोलते हुए कहा कि पीएफआई विपक्ष के लिए जीवन रेखा बन गई है।

मोदी कहा, पीएफआई के इरादों और लक्ष्यों के बारे में कौन नहीं जानता? हर कोई जानता है। हमने पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन दूसरी तरफ देखिए, वही पीएफआई कांग्रेस के लिए 'जीवन रेखा' बन गई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए पीएफआई के प्रति सहानुभूति रखती है। उन्होंने कहा कि कि जैसे-जैसे भारत प्रगति कर रहा है, कुछ देश और संगठन परेशान हो रहे हैं। वे भारत की ताकत और स्थिरता को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने अपनी सरकार को ऐसे खतरों के खिलाफ एक मजबूत योद्धा के रूप में स्थापित किया और राष्ट्र के कल्याण के प्रति उसके संकल्प और समर्पण को उजागर किया। कर्नाटक पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए मोदी ने कथित तौर पर राज्य की विकास पहल के खिलाफ काम करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने विपक्षी दल पर क्षेत्र में प्रगति के बीज बोने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया।

आसान मुनाफा कमाने के लिए कमजोर सरकार चाहते हैं कुछ देश और संस्थाएं

होसपेटे (कर्नाटक)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि कुछ देश और संस्थाएं आसानी से मुनाफा कमाने के लिए भारत और उसकी सरकार को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस भी इस भ्रष्टाचार की लाभार्थी थी। मोदी ने विजयनगर जिले के इस तालुका मुख्यालय शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, जब देश तेजी से आगे बढ़ रहा है तो कुछ देशों और कुछ संस्थाओं को यह पसंद नहीं आता। ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें सशक्त भारत पसंद नहीं है। वे चाहते हैं कि देश और उसकी सरकार कमजोर हो, ताकि वे आसानी से मुनाफा कमा सकें। उन्होंने कहा, कमजोर सरकार उन्हें उनकी जरूरतों के मुताबिक काम कराने में मदद करती है। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस भी इस भ्रष्टाचार की स्पष्ट लाभार्थी थी। यही तो खेल चल रहा था लेकिन भाजपा उनके लिए चुनौती बन गई है। उनकी चिंता ये है कि भाजपा की सरकार है जिसे कोई झुका नहीं सकता। उन्होंने कहा कि जो लोग लुटियंस दिल्ली के बारे में जानते हैं, वे जानते हैं कि 2014 से पहले सत्ता के गलियारों में दलालों का राज था। मोदी ने कहा, पैरवी करने वालों (लॉबीस्ट) के लिए होटल सुइट्स सालों के लिये बुक किए गए थे, जो पैरवी के माध्यम से अपने सभी काम करवाते थे।

कथित सैक्स स्कैंडल

प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ प्रदर्शन, गिरफ्तारी की मांग

बेंगलूरु। कांग्रेस की महिला शाखा की सदस्यों ने कथित 'सेक्स स्कैंडल' में फंसे हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ रविवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया और उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। प्रज्ज्वल रेवन्ना जनता दल (सेक्युलर) के प्रमुख एच.डी. देवेगौड़ा के पोते हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रेवन्ना के खिलाफ नारे लगाए और उनके पोस्टर जलाए। रेवन्ना हासन लोकसभा क्षेत्र से राजग के उम्मीदवार हैं, जहां 26 अप्रैल को मतदान हुआ था। कई महिलाओं के साथ उनके कथित अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए हैं। कर्नाटक सरकार ने अश्लील वीडियो मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल की घोषणा की है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा, हासन जिले में अश्लील वीडियो क्लिप प्रसारित हो रहे हैं, जहां ऐसा प्रतीत होता है कि महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया गया है। इस बीच, पुलिस सूत्रों ने कहा कि रेवन्ना देश से बाहर जा चुके हैं।

निजी कंपनियां अंतरिक्ष को और अधिक सुलभ बना देंगी : इसरो प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने इसरो के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से अंतरिक्ष में दिलचस्पी रखने वालों के साथ बातचीत करते हुए कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निजी कंपनियां निश्चित रूप से क्षेत्र में अनुसंधान को गति देने में मदद करेंगी।

एक निजी कंपनी स्पेसएक्स के कथित तौर पर अधिकांश देशों की तुलना में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अधिक योगदान देने पर टिप्पणी करते हुए सोमनाथ ने शनिवार को कहा कि निजी कंपनियों को रॉकेट इंजन बनाने के लिए प्रोत्साहित करने और स्पेसएक्स के मामले में इंसानों को लेकर अंतरिक्ष में जाने वाले रॉकेट की संभावना का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करने की अमेरिका की परंपरा को भारत द्वारा दोहराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ये कंपनियां प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने, लागत कम करने और अंतरिक्ष को अधिक सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में निजी कंपनियों के लिए भी इस प्रकार की क्षमताएं विकसित करना संभव है।

सोमनाथ ने हालांकि कहा कि यह तभी संभव है जब सरकार निजी इकाई का समर्थन करे। सोमनाथ ने कहा, उदाहरण के लिए, नासा के स्वामित्व वाली कुछ तकनीक को स्पेस एक्स में स्थानांतरित कर दिया गया है ताकि वे तेजी से विकास कर सकें। यही कारण है कि स्पेसएक्स ने इतनी प्रगति की है, इस वर्ष उसने लगभग 45 प्रक्षेपण किए। उन्होंने कहा कि भारत में पहले से ही दो कंपनियां काम कर रही हैं- स्काईरूट एयरोस्पेस और अग्निकुल कॉसमॉस। इसरो अध्यक्ष ने कहा, हम सभी भारत को इस तरह आगे बढ़ते हुए देखकर उत्साहित हैं।

गुजरात तट पर

पाकिस्तानी नौका से 600 करोड़ का मादक पदार्थ बरामद

14 लोग गिरफ्तार

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात तट पर पाकिस्तानी नौका से 600 करोड़ रुपये मूल्य का 86 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त करके 14 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। तटरक्षक बल ने रविवार को यह जानकारी दी। बल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) और स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने संयुक्त रूप से रात के समय अरब सागर में अभियान चलाया था। विज्ञप्ति के अनुसार पिछले तीन वर्ष में तटरक्षक बल और एटीएस का यह 11वां सफल संयुक्त अभियान था, जिसका उद्देश्य दोनों एजेंसियों के बीच तालमेल को रेखांकित करना था।

विवाद के बीच आरएसएस प्रमुख ने आरक्षण का किया समर्थन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर आरक्षण को लेकर विपक्ष के हमले के बीच आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि संगठन ने हमेशा संविधान के अनुसार आरक्षण का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि संगठन ''भेदभाव'' व्याप्त रहने तक आरक्षण लागू रखने की वकालत करता है।

यहां विद्या भारती विज्ञान केंद्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए भागवत ने सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो का उल्लेख किया और कहा कि इसमें झूठा दावा किया गया है कि आरएसएस आरक्षण का विरोध करता है। उन्होंने कहा कि वीडियो में उन्हें एक बैठक करते दिखाया गया है जबकि इस तरह की कोई बैठक नहीं हुई है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जब से आरक्षण अस्तित्व में आया है, संघ ने संविधान के अनुसार आरक्षण का पूरी तरह समर्थन किया है। उन्होंने कहा, संघ का कहना है कि आरक्षण तब तक जारी रहना चाहिए जब तक लोग, जिन्हें यह दिया गया है, महसूस करें कि उन्हें इसकी आवश्यकता है। कथित वीडियो का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से जो नहीं हुआ, उसे भी दिखाया जा सकता है।

महादेव सट्टेबाजी ऐप मामला:

अभिनेता साहिल खान की पुलिस हिरासत एक मई तक बढ़ी

मुंबई/भाषा। मुंबई की एक अदालत ने महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में गिरफ्तार अभिनेता साहिल खान की पुलिस हिरासत रविवार को एक मई तक के लिए बढ़ा दी। बंबई उच्च न्यायालय द्वारा खान की गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद शनिवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर से खान को हिरासत में लिया गया था। खान को मुंबई लाकर गिरफ्तार किया गया और दादर में मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। मुंबई साइबर प्रकोष्ठ के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने उनकी हिरासत मांगते हुए कहा कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि उसने 2000 से अधिक सिम कार्ड बरामद किए हैं और 1700 बैंक खातों का विवरण मिला है, जिनके सत्यापन की आवश्यकता है। खान के वकील मुजाहिद अंसारी ने अदालत को बताया कि वह जांच में सहयोग कर रहे हैं और उन्होंने दस्तावेज व बैंक विवरण भी जमा किये हैं। मुंबई साइबर प्रकोष्ठ की एसआईटी महाराष्ट्र में कुछ वित्तीय व रियल एस्टेट कंपनियों और महादेव सट्टेबाजी ऐप के प्रवर्तकों के बीच कथित अवैध लेनदेन की जांच कर रही है। मुंबई के माटुंगा थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, यह करीब 15,000 करोड़ रुपये का घोटाला है।

भाजपा एससी-एसटी और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण न हटाएगी और न किसी को हटाने देगी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कासगंज/मैनपुरी/इटावा (उप्र)/भाषा। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी एससी-एसटी (अनुसूचित जाति-जनजाति) वर्ग और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण न हटाएगी और न किसी को हटाने देगी और यह 'मोदी की गारंटी' है। शाह रविवार को एटा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राजवीर सिंह और मैनपुरी के उम्मीदवार जयवीर सिंह के समर्थन में अलग-अलग चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे।

सभाओं में शाह ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने राहुल गांधी पर पिछड़ा वर्ग के नाम पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया और दावा किया कि वे कह रहे हैं कि भाजपा को 400 सीटें दी तो भाजपा आरक्षण खत्म देगी।

शाह ने कहा, इन लोगों ने झूठ की फैक्ट्री खोलकर रखी है।

गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के पास आरक्षण हटाने के लिए पूर्ण बहुमत दो कार्यकाल से है, परंतु मोदी जी आरक्षण समर्थक हैं और आज मैं 'मोदी गारंटी' कहकर जाता हूं कि एससी एसटी और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण न भाजपा हटाएगी न किसी को हटाने देगी। यह मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा, मोदी जी जब प्रधानमंत्री बने तो पिछड़ा वर्ग को संवैधानिक सम्मान दिया गया।

शाह ने रविवार को राम मंदिर मुद्दे को लटकाए रखने के लिए विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि जनता को कारसेवकों पर गोलियां चलाने वालों और राम मंदिर बनाने वालों में से किसी एक को चुनना होगा। उन्होंने कहा, दो खेमे हैं, एक खेमा राम भक्तों पर गोली चलवाने वालों का है और दूसरा खेमा राम मंदिर बनवाने वालों का। राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने पर विपक्षी दल के नेताओं पर हमला करते हुए शाह ने कासगंज में कहा, जो लोग प्रतिष्ठा समारोह में नहीं गए, वे जानते हैं कि वे वही लोग हैं जिन्होंने कारसेवकों पर गोली चलाई थी। भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस पार्टी, राहुल बाबा और अखिलेश यादव की पार्टियों ने 70-70 साल तक राम मंदिर के मुद्दे को लटका कर रखा, भटका कर रखा।

मुंबई में बाल तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

चिकित्सक समेत सात गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने बच्चों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ कर एक चिकित्सक और छह अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। गिरोह के सदस्यों को नवजात और एक बच्चे को बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अपराध शाखा ने शनिवार को आरोपी डॉ. सोपानराव खंडारे, वंदना अमित पवार (28), शीतल गणेश वारे (41), स्नेहा सूर्यवंशी (24), नसीमा हनीफ खान (28), लता सुरवाडे (36) और शरद मारुति देवार (45) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि विक्रोली निवासी शीतल वारे ने कथित तौर पर पांच महीने के बच्चे को दो लाख रुपये में बेच दिया।

भोजशाला के सर्वेक्षण की मियाद बढ़ाने के समर्थन में हिन्दू पक्ष

मुस्लिम पक्ष का खुदाई का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

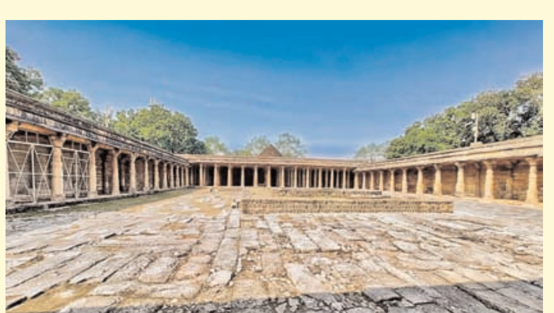

धार/भाषा। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ राज्य के धार जिले में भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण को पूरा करने के लिए आठ और सप्ताह की मांग करने वाली भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की याचिका पर सोमवार को सुनवाई कर सकती है।

हिंदू पक्ष के एक प्रतिनिधि ने दावा किया है कि धार के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर में जारी सर्वेक्षण पूरा करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को अतिरिक्त समय मिलने पर इस विवादित स्मारक की ''असलियत बताने वाले अहम सबूत'' सामने आ सकते हैं।

मध्ययुग के इस विवादित परिसर में महीने भर से ज्यादा वक्त से सर्वेक्षण कर रहे एएसआई ने यह कवायद पूरी करने के लिए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ से आठ हफ्तों की मोहलत मांगी है।

एएसआई ने इस सिलसिले में दायर अर्जी में कहा है कि परिसर की संरचनाओं के उजागर भागों की प्रकृति को समझने के लिए उसे कुछ और समय की दरकार है। इस अर्जी पर 29 अप्रैल (सोमवार) को सुनवाई हो सकती है।

उधर, मुस्लिम पक्ष के एक नुमाइंदे ने एएसआई के सर्वेक्षण के दौरान भोजशाला परिसर के एक हिस्से में फर्श की खुदाई का दावा करते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के मुताबिक सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सर्वेक्षण के कारण इस स्मारक की मूल संरचना में कोई भी बदलाव न हो।

भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह परिसर एएसआई द्वारा संरक्षित है। भोजशाला मामले में हिन्दू पक्ष के अगुवा गोपाल शर्मा ने ''पीटीआई-भाषा'' से कहा,''पिछले छह हफ्तों के दौरान भोजशाला परिसर में एएसआई के सर्वेक्षण की बुनियाद भर तैयार हुई है।

चीन के आगे भारत कभी नहीं झुकेगा : राजनाथ सिंह

अहमदाबाद/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत और चीन के बीच बातचीत सुचारु रूप से और अच्छे माहौल में चल रही है तथा भारत कभी नहीं झुकेगा। लोकसभा चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवारों के वास्ते प्रचार करने के लिए अहमदाबाद में मौजूद सिंह ने कहा कि भारत सैन्य दृष्टिकोण से एक शक्तिशाली देश बन गया है और अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है।

चीनी आक्रामकता को लेकर नरेन्द्र मोदी सरकार पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोप के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा, भारत अब कमजोर भारत नहीं रहा। भारत सैन्य दृष्टि से भी एक शक्तिशाली देश बन गया है। हम अपने पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, भारत और चीन के बीच जो भी मुद्दे हैं, उन पर बातचीत सुचारू रूप से और अच्छे माहौल में चल रही है। उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि हमें वार्ता के नतीजे का इंतजार करना चाहिए। लेकिन मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत कहीं भी झुका नहीं है और न ही कभी झुकेगा।

केंद्र की बेहद कम सूखा राहत के विरोध में कर्नाटक सरकार का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने केंद्र से 'काफी कम' सूखा राहत मिलने के विरोध में रविवार को विधान सौधा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समाने विरोध-प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री तथा कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व किया। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव तथा कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, राज्य के कैबिनेट मंत्री और प्रमुख नेता भी इसमें शामिल हुए।

विरोध-प्रदर्शन के दौरान नेताओं को नारों वाली तख्तियां लहराते हुए देखा गया, जिन पर लिखा था, मोदी सरकार कन्नडिगाओं के कर का पैसा निगल कर उन्हें धोखा दे रही है। खालीपन एवं छल का प्रतीक पानी का लोटा बर्तन 'चोम्बू' लिए हुए नेताओं ने केंद्र पर गंभीर सूखे की स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त राहत प्रदान करने में विफल रहकर कर्नाटक को धोखा देने का आरोप लगाया।

शिवकुमार ने कहा कि संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा। राज्य ने सितंबर 2023 में सूखा के बारे में एक ज्ञापन दिया था। सितंबर से अब तक राज्य को 50 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त नुकसान हो चुका है। उन्होंने कहा, केंद्र ने मनरेगा के तहत भी पैसा नहीं दिया है और किसी को काम नहीं मिला है। यह राशि जारी करनी ही होगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा, सुप्रीम कोर्ट से फटकार मिलने के बाद केंद्र सरकार ने तीन हजार करोड़ रुपये जारी किये हैं। पैसा संकट के समय ही जारी कर दिया जाना चाहिये था। कुछ समय बाद बारिश शुरू हो जायेगी। यदि गारंटी नहीं होती तो लोगों का जीना मुहाल हो जाता। हमने उनकी जिंदगी बचाई है। चार करोड़ से ज्यादा परिवार लाभांवित हुये हैं। उन्होंने कहा, हम अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर हुए क्योंकि उन्होंने (केंद्र ने) संघीय ढांचे का सम्मान नहीं किया। हम भीख नहीं मांग रहे हैं। हमने किसानों को दो-दो हजार रुपये दिये हैं और पेयजल संकट का प्रबंधन किया है। हम हमारा हक मांग रहे हैं। केंद्र सरकार ने शनिवार को कर्नाटक के लिए 3,454 करोड़ रुपये का सूखा राहत जारी किया। भाजपा की राज्य इकाई ने इस कदम का स्वागत किया जबकि कांग्रेस ने इस राशि को 18 हजार करोड़ रुपये की उसकी मांग की तुलना में काफी कम बताया है।

राज्यपाल द्वारा 'टीसीएस वर्ल्ड 10 के रन' का शुभारंभ किया गया

बेंगलूरु। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बेंगलूरु के फील्ड मार्शल माणिक शा परेड ग्राउंड में 'टीसीएस वर्ल्ड 10 के रन' मैराथन दौड़ का उद्घाटन किया और विभिन्न दौड़ के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। इस मौके पर दौड़ में अनेक सुन्दर नजारे दिखने को मिले।

कर्नाटक सूखा राहत को लेकर फिर जाएगा सुप्रीम कोर्ट : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के कांग्रेस प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा है कि राज्य सरकार केंद्र सरकार के 3 हजार 452 करोड़ रुपये के सूखा राहत आवंटन को लेकर एक बार फिर उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी।

उन्होंने कहा कि यह रकम राज्य द्वारा शुरू में अनुरोध की 18,172 करोड़ रुपये से काफी कम है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने 2023 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार के बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कन्नडिगाओं और कर्नाटक के किसानों के हितों की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों ने राज्य को 14,718 करोड़ रुपये से वंचित कर दिया है। प्रतीकात्मक रूप से उसे एक खाली बर्तन (चोंबू) के साथ छोड़ दिया है। आगामी सात मई को होने वाले चुनावों में मतदाताओं से भाजपा को कड़ी चुनौती देने का आग्रह करते हुए सुरजेवाला ने जोर देकर कहा कि विधायक, एमएलसी और पार्टी के उम्मीदवार जनता की अदालत' में इस मुद्दे का समर्थन करेंगे।

उन्होंने कांग्रेस पार्टी की चुनावी संभावनाओं के बारे में आशावाद व्यक्त किया, जिसमें 2019 में हासिल की गई एकमात्र सीट से इस बार 25 सीटों तक पर्याप्त वृद्धि की उम्मीद है। सुरजेवाला के बयान कर्नाटक में सूखा राहत कोष के मुद्दे पर बढ़ते राजनीतिक गतिरोध को रेखांकित करते हैं, क्योंकि कांग्रेस ने भाजपा के नेतृत्व में केंद्र सरकार की उपेक्षा की ओर इशारा किया है।

कर्नाटक में हुए अधिक मतदान से कांग्रेस व भाजपा को अपनी जीत का भरोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा और कांग्रेस दोनों को भरोसा है कि कर्नाटक की 14 लोकसभा सीटों पर 26 अप्रैल को हुआ अधिक मतदान उनके अनुकूल है। चुनाव आयोग के मुताबिक, कर्नाटक में 26 अप्रैल को 69.56 फीसद मतदान हुआ। बेंगलूरु की तीन संसदीय सीटों को छोड़कर राज्य की सभी सीटों पर 70 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा दावा कर रहे हैं कि वोटिंग बीजेपी-जेडी(एस) गठबंधन के पक्ष में हुई है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि ग्राउंड रिपोर्ट के मुताबिक उसकी सीटों की संख्या भाजपा से ज्यादा होगी। मतदान के बाद मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि उन्होंने उम्मीदवारों और जिला प्रभारियों से बात की है और सभी ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान होने की बात कही है। उपमुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने मतदाताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी पार्टी निश्चित रूप से दोहरे अंक में सीटें जीतेगी। शिवकुमार ने यह भी दावा किया कि जद-एस कह रही है कि भाजपा नेताओं ने मांड्या और हासन लोकसभा क्षेत्रों में सहयोग नहीं किया। बेंगलूरु ग्रामीण सीट पर भी, भाजपा नेताओं ने जद (एस) का समर्थन नहीं किया। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही हासन लोकसभा सीट जीतने को लेकर आश्वस्त हैं। यहां मुख्य मुकाबला पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल रेवन्ना और कांग्रेस के श्रेयस एम पटेल के बीच है। इस सीट पर 77.68 प्रतिशत मतदान हुआ। भाजपा और जद (एस) के सूत्रों का दावा है कि वोक्कालिगा अपने निर्विवाद नेता देवेगौड़ा को नहीं छोड़ेंगे। इसके अलावा, उन्हें यकीन है कि एमसीए छात्रा नेहा हिरेमठ हत्या मामले के बाद कडुर, सकलेशपुर, बेलूर और अरसीकेरे विधानसभा क्षेत्रों में लिंगायत वोटों का एक बड़ा हिस्सा एनडीए उम्मीदवार के समर्थन में आया है।

दूसरी ओर, कांग्रेस का कहना है कि चुनाव से पहले एक शर्मनाक वीडियो सामने आने के बाद प्रज्ज्वल रेवन्ना ने मौका खो दिया है। दक्षिण कन्नड़ लोकसभा सीट पर भाजपा को सीट बरकरार रखने का भरोसा है, जबकि कांग्रेस को उम्मीद है कि जाति कार्ड से वोट बंटेंगे और उसके उम्मीदवार पद्मराज इतिहास रचेंगे। यहां 77.56 प्रतिशत मतदान हुआ। उडुप्पी-चिकमगलूरु लोकसभा सीट पर 77.15 फीसद मतदान हुआ और दोनों राष्ट्रीय पार्टियां इस सीट को जीतने का दावा कर रही हैं।

चित्रदुर्गा (सुरक्षित) लोकसभा सीट पर 73.3 प्रतिशत मतदान हुआ। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि उनकी पार्टी दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के भारी समर्थन के कारण सीट जीतेगी। साथ ही उनका दावा है कि भाजपा की अंदरूनी कलह से उनकी पार्टी को फायदा हो रहा है। दूसरी ओर, भाजपा लिंगायत वोट बैंक पर भरोसा कर रही है और उसे उम्मीद है कि वह विजयी होगी। तुमकुरु लोकसभा सीट के लिए, भाजपा सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा और भाजपा उम्मीदवार वी. सोमन्ना की काम करने वाले व्यक्ति की प्रतिष्ठा पार्टी को जीत दिलाने में मदद करेगी।

भारत में स्टार्टअप 10 साल में 300 गुना बढ़े : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि भारत में स्टार्टअप की संख्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 10 साल में लगभग 300 गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि 2014 में देश में लगभग 350 स्टार्टअप थे। उन्होंने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र भारत में है और यह सबसे तेजी से बढ़ते यूनिकॉर्न का घर है।

कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने यहां पीटीआई-भाषा से कहा, स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार इस देश के युवाओं को प्रधानमंत्री के रूप में मोदी ने यह समझाने का प्रयास किया कि रोजगार केवल सरकारी नौकरी तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने आजीविका के ऐसे नए तरीकों को बढ़ावा दिया है जो सरकारी नौकरी से अधिक आकर्षक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में 2014 में सिर्फ 350 स्टार्टअप से नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के 10 साल में 300 गुना वृद्धि हुई है।

सिंह ने कहा सि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोले जाने के बाद से लगभग चार वर्षों में अंतरिक्ष स्टार्टअप की संख्या एकल अंक से बढ़कर तिहरे अंक तक पहुंच गई है।

अगले साल आ सकता है बोल्ट का आईपीओः सहसंस्थापक वरुण गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी ब्रांड बोल्ट की योजना अगले साल सार्वजनिक निर्गम लाने की है। कंपनी के सह-संस्थापक वरुण गुप्ता ने कहा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में 1,000 करोड़ रुपए का राजस्व हासिल करने के बाद आईपीओ लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कंपनी अंतरराष्ट्रीय बाजार और नई श्रेणियों में विस्तार कर रही है। गुप्ता ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा, हम इस वर्ष आईपीओ पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं, लेकिन शायद अगले साल विचार करेंगे। हमारा पहला ध्यान बाजारों, अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक क्षेत्रों और नई श्रेणियों में प्रवेश करना है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने आईपीओ लाने से पहले अपने लिए एक आंतरिक लक्ष्य तय किया है। उन्होंने बताया, जब हम 1,000 करोड़ रुपए का राजस्व हासिल कर लेंगे, तभी हम आईपीओ के लिए जाना चाहते हैं। तकनीकी रूप से, हम आज आईपीओ ला सकते हैं, क्योंकि हम मुनाफे में हैं... लेकिन हमने 1,000 करोड़ रुपए के राजस्व का लक्ष्य तय किया है और उसके बाद ही हम खुद को आईपीओ के लिए योग्य मानेंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी ऑफलाइन रिटेल स्टोर में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है।

भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत की गारंटी देता है, कांग्रेस का घोषणापत्र विभाजनकारी : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का संकल्प पत्र एक नए और विकसित भारत की ठोस गारंटी है, जबकि कांग्रेस का घोषणा पत्र विभाजनकारी और तुष्टीकरण की राजनीति से प्रेरित है।

सिंह ने कहा कि कांग्रेस अपने लंबे शासनकाल के दौरान गरीबी उन्मूलन में नाकाम रही, जबकि (केंद्र की) नरेन्द्र मोदी सरकार ने पिछले आठ-नौ साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। उन्होंने दावा किया, देश को आगे ले जाने के लिए कांग्रेस के पास नेतृत्व, नीति और इरादा नहीं है। भाजपा सरकार भारत को 2027 तक विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री ने कहा, हमारा संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) एक नए सामर्थ्यवान और विकसित भारत की ठोस गारंटी है। कांग्रेस का घोषणा पत्र विभाजनकारी और तुष्टीकरण से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के 10 साल के शासन में हुए ''भ्रष्टाचार के खेल'' में कांग्रेस की सबसे बड़ी भूमिका थी।

सिंह ने कहा, कांग्रेस जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के समय से गरीबी उन्मूलन की बात करती रही है, लेकिन 50 साल शासन करने के बाद भी ऐसा करने में नाकाम रही। पिछले महज आठ-नौ साल में हमारी सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने में सफल रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि मोदी सरकार अगले पांच-10 साल में देश से पूरी तरह से गरीबी का उन्मूलन करना चाहती है। सिंह ने कहा कि भाजपा लोकसभा चुनाव में गुजरात के सूरत से जीत की शुरुआत कर चुकी है, जहां पार्टी के मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए।

इस सीट पर कांग्रेस के नीलेश कुम्भाणी का नामांकन पत्र खारिज हो गया था और अन्य उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए थे।

सिंह ने कहा, हालांकि, कांग्रेस दावा कर रही है कि देश में लोकतंत्र खतरे में है। इसका क्या आधार है? यहां तक कि इससे पहले भी, लोकसभा के 28 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए थे, जिनमें कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, नेशनल कांफ्रेंस आदि के सदस्य शामिल हैं। कांग्रेस हताशा में इस तरह की बात कह रही है।

भाजपा संविधान में बदलाव करने के लिए चाहती है 400 से अधिक सीट : शरद पवार

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी संविधान में बदलाव करने के लिए लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट जीतना चाहती है।

पुणे की सासवड तहसील में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि इस साल का आम चुनाव पहले के चुनावों से अलग है क्योंकि यह तय करेगा कि देश किस तरीके से काम करेगा। सासवड तहसील, बारामती लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। पवार ने कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री (अरविंद केजरीवाल) जेल में हैं। वे (भाजपा) तानाशाही के पथ पर बढ़ रहे हैं और लोकतंत्र को नष्ट कर रहे हैं। इसलिए, हमारे राष्ट्र को बचाने के लिए हमें उन्हें शिकस्त देने की जरूरत है। उन्होंने दावा किया, देश में लोकतांत्रिक तरीके से शासन किया जाना चाहिए, लेकिन हम चिंतित हैं। वे (भाजपा) संविधान में बदलावों के लिए 400 से अधिक सीट चाहते हैं। राकांपा

(शरदचंद्र पवार) ने पार्टी प्रमुख शरद पवार की बेटी एवं मौजूदा सांसद सुप्रिया सुले को बारामती से उम्मीदवार बनाया है। वह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं जहां कहीं जाता हूं 'तुरहा बजाता व्यक्ति' चिह्न देखता हूं। सुप्रिया सुले को वोट दें और उन्हें भारी मतों के अंतर से विजयी बनाएं। हम विकास और लोगों का कल्याण करेंगे।

बीआरओ ने बर्फबारी के बाद जम्मू-कश्मीर में राजदान दर्रे पर फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। सीमा सुरक्षा संगठन (बीआरओ) ने रविवार को उन दर्जनों यात्रियों को निकाल लिया, जिनके वाहन जम्मू-कश्मीर के बांदीपुरा-गुरेज रोड पर बर्फबारी के कारण फंस गए थे। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि तूफान प्रभावित राजदान दर्रे पर फंसे 35 वाहनों के बारे में जानकारी मिलते ही बीआरओ कर्मी कार्रवाई में जुट गए। उन्होंने कहा कि बीआरओ टीम ने वाहनों को सुरक्षित निकालने से पहले यात्रियों और ड्राइवरों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

गुरेज घाटी और बांदीपुरा जिले के पहाड़ी इलाकों में ताजा बर्फबारी के कारण सड़क अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है।

इस्पात आयात को लेकर सतर्क रहने की जरूरत : टी वी नरेन्द्रन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टी वी नरेन्द्रन ने कहा है कि चूंकि इस्पात आयात में वृद्धि जारी है तो इस स्थिति को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। भारत में इस्पात आयात बीते वित्त वर्ष में 38 प्रतिशत उछाल के साथ 83.19 लाख टन पर पहुंच गया है।

नरेन्द्रन ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, यदि यही स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो यह दुख की बात होगी। हमें आयात को लेकर सतर्क रहना होगा। जब तक यह अनुचित आयात है, सरकार को इससे निपटने की जरूरत है।

मांग पर एक अलग प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में इस्पात की खपत आठ से 10 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इस्पात उत्पादक चीन सहित कुछ

देशों से बढ़ते आयात पर चिंता जता रहे हैं और इस मुद्दे पर सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

घरेलू कंपनियां भी आयात पर अंकुश लगाने और कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की समीक्षा की मांग कर रही हैं। नरेन्द्रन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि एफटीए की समीक्षा करना आसान होगा। लेकिन यह सरकार को तय करना है। बिगमिंट (पूर्व में स्टीलमिंट) के आंकड़ों के अनुसार, भारत का कच्चे इस्पात का उत्पादन वित्त वर्ष 2022-23 में 12.6 करोड़ टन से लगभग 14 प्रतिशत बढ़कर बीते वित्त वर्ष (2023-24) में 14.4 करोड़ टन हो गया।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविदर सिंह लवली ने इस्तीफा दिया, आप' के साथ गठबंधन का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस को झटका देते हुए वरिष्ठ नेता अरविंदर सिंह लवली ने पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया और इसकी एक वजह आम आदमी पार्टी (आप) से गठबंधन को बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की दिल्ली इकाई गठबंधन के खिलाफ थी लेकिन पार्टी आलाकमान ने गठबंधन को स्वीकृति दे दी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को शनिवार को भेजे अपने इस्तीफा पत्र में लवली ने यह भी कहा कि वह अपने आप को ''लाचार'' महसूस कर रहे थे क्योंकि दिल्ली इकाई के वरिष्ठ नेताओं द्वारा सर्वसम्मति से लिए गए सभी फैसलों पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के दिल्ली प्रभारी दीपक बाबरिया रोक लगा देते थे। लवली के इस्तीफे से

कुछ दिन पहले बाबरिया के साथ विवाद के बाद दिल्ली के पूर्व मंत्री और एआईसीसी सदस्य राजकुमार चौहान ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने रविवार को कहा कि यह विरोध तब शुरू हुआ था, जब कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित करने शुरू किए जबकि आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि यह कांग्रेस का अंदरूनी मामला है। खरगे को लिखे पत्र में लवली ने कहा, भारी मन से मैं आपको यह पत्र लिख रहा हूं कि मैं लाचार महसूस कर रहा हूं और दिल्ली पार्टी इकाई का अध्यक्ष बने रहने में असमर्थ हूं। उन्होंने कहा, मैंने कांग्रेस पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं की मदद करने के एकमात्र उद्देश्य से दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के अध्यक्ष की भूमिका को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार किया था, जिनके साथ मेरा बेहद करीबी और जीवनभर का जुड़ाव रहा है।

लवली ने कहा, चूंकि, मैं पार्टी कार्यकर्ताओं के हितों की रक्षा नहीं कर सकता हूं तो मुझे इस पद पर बने रहने की कोई वजह नजर नहीं आ रही है। इसलिए अत्यंत खेद और भारी मन से मैं डीपीसीसी अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा देता हूं। शीला दीक्षित की सरकार में मंत्री रहे लवली को पिछले साल अगस्त में दिल्ली कांग्रेस प्रमुख नियुक्त किया गया था। लवली ने कहा कि कांग्रेस की दिल्ली इकाई 'आप' के साथ गठबंधन के खिलाफ थी लेकिन फिर भी उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसका समर्थन किया और यह सुनिश्चित किया कि पूरी इकाई आलाकमान के आदेश का पालन करें।

लोकसभा चुनाव के शुरुआती दो चरण में मात्र आठ प्रतिशत महिला उम्मीदवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव के शुरुआती दो चरण के दौरान चुनावी मैदान में उतरे कुल 2823 उम्मीदवारों में से केवल आठ प्रतिशत महिलाएं थीं। राजनीतिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह आंकड़ा लैंगिक आधार पर पूर्वाग्रह की गंभीर समस्या को दर्शाता है और महिलाओं को सशक्त बनाने की बातें खोखली लगती हैं। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 135 महिला उम्मीदवार थीं, जबकि दूसरे चरण में 100 महिला उम्मीदवार थीं यानी शुरुआती दो चरण में कुल मिलाकर 235 महिला उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरीं। पहले चरण में महिला उम्मीदवारों की संख्या के मामले में तमिलनाडु शीर्ष पर रहा। राज्य में पहले चरण में 76 महिला उम्मीदवार थीं, लेकिन राज्य के कुल उम्मीदवारों में उनकी हिस्सेदारी केवल आठ प्रतिशत थी, जबकि दूसरे चरण में सबसे अधिक 24 महिला उम्मीदवार केरल से चुनावी मैदान में उतरीं।

पार्टी-वार देखा जाए तो शुरुआती दो चरण में कांग्रेस ने 44 महिलाओं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 69 महिलाओं को मैदान में उतारा। इस लैंगिक असंतुलन की राजनीतिक विश्लेषकों और कार्यकर्ताओं ने आलोचना की। उनका सवाल है कि दल महिलाओं को अग्रसक्रिय तरीके से टिकट देने के बजाय महिला आरक्षण विधेयक के लागू होने का इंतजार क्यों कर रहे हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुशीला रामास्वामी ने कहा कि राजनीतिक दलों को महिला उम्मीदवारों की संख्या बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, राजनीति दलों को अधिक अग्रसक्रिय होना चाहिए था और अधिक महिला उम्मीदवारों को खड़ा करना चाहिए था।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. इफ्तिखार अहमद अंसारी ने कहा कि भारत के कुल मतदाताओं में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है, ऐसे में उम्मीदवारों के रूप में उनका कम प्रतिनिधित्व राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की पूर्ण भागीदारी को रोकने वाली बाधाओं को लेकर सवाल खड़े करता है। उन्होंने प्रतीकात्मक कदम उठाने और वादे करने के बजाय राजनीति में महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की खातिर संरचनात्मक सुधारों के महत्व पर जोर दिया और लैंगिक विविधता को बढ़ावा देने में पार्टी नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। बीजू जनता दल (बीजद) एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो महिला उम्मीदवारों को नीतिगत तौर पर 33 प्रतिशत टिकट देती है।

जिन्होंने राम मंदिर का निमंत्रण ठुकराया, उन्हें जनता ठुकराएगी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि जिन लोगों ने अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया, उन्हें मौजूदा लोकसभा चुनाव में जनता ठुकराएगी। वह स्पष्ट रूप से इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होने के लिए कांग्रेस पार्टी का जिक्र कर रहे थे। मोदी ने कहा कि राम मंदिर निर्माण पर फैसला देश की आजादी के अगले दिन ही ले लिया जाना चाहिए था। इस मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हीं ताकतों ने अंतिम क्षण तक यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि राम मंदिर न बने और आखिरी दिन भी अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

उत्तर कन्नड जिले के इस तालुका मुख्यालय शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस और उसके दरबारियों ने 70 वर्षों तक कोशिश की कि राम मंदिर नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के न्यासियों ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा लगाई गई सभी बाधाओं को नजरअंदाज कर दिया, उनके घर गए और उन्हें प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, जो उनकी सदाशयता को दर्शाता था।

मोदी ने कहा, उन्होंने (कांग्रेस नेताओं) राम मंदिर समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। राम मंदिर का निमंत्रण ठुकराने वालों को देश ठुकराएगा। उन्होंने भीड़ को एक और चौंकाने वाले घटनाक्रम के बारे में बताया जहां दो से तीन पीढ़ियों तक राम मंदिर के खिलाफ लड़ने वाले अंसारी परिवार ने पूरे दिल से प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया था। अंसारी परिवार उसी स्थान पर बाबरी मस्जिद चाहता था।

प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस और उसके दरबारियों ने राम मंदिर के न्यासियों द्वारा प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। मुस्लिम होते हुए भी अंसारी परिवार मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुआ और पूरे कार्यक्रम में मौजूद रहा। बाद में, उन्होंने उनके (अंसारी के) सुरक्षाकर्मी को लकड़ी से बनी भगवान राम की एक छोटी प्रतिमा दी। यही अंतर है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान राम का मंदिर देखने के लिए लोगों को 500 साल तक इंतजार करना पड़ा। मोदी ने कहा, लाखों लोग मारे गए, मंदिर बनाने का फैसला आजादी के अगले दिन ही ले लिया जाना चाहिए था।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, लेकिन उन्होंने मंदिर नहीं बनाया। ऐसे काम करने के लिए 56 इंच का सीना चाहिए होता है। मोदी ने कहा कि राम मंदिर सरकार या करदाताओं के पैसे से नहीं, बल्कि भगवान राम के भक्तों के पैसे से बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, वोट बैंक की राजनीति भद्दी और विनाशकारी हो गई है। उन्होंने अंतिम क्षण तक प्रयास किया कि राम मंदिर न बने। आखिरी दिन भी वे अदालत गए थे। कांग्रेस और उसके दरबारियों ने 70 साल तक प्रयास किया कि राम मंदिर न बने।

भाजपा के लिए जनता से समर्थन मांगते हुए मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि जब बहुमत के साथ एक स्थिर सरकार होती है, तो पूरी दुनिया उस पर भरोसा करती है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत की सराहना होती है और जब भी कोई भारतीय विदेश में कहीं जाता है तो उसका सिर ऊंचा होता है। ये मत की ताकत से संभव हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा, जब भी मैं छह फुट या साढ़े छह फुट लंबे बड़े नेताओं से मिलता हूं, चाहे उनकी त्वचा कितनी भी गोरी क्यों न हो, अकेले मोदी उनसे नहीं मिलता, बल्कि 140 करोड़ लोग मेरे पीछे खड़े होते हैं। मैं साहस के साथ उनका सामना करता हूं। ये आपका मत है, जो मुझे हिम्मत देता है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर कर्नाटक को बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस असामाजिक और राष्ट्र–विरोधी मानसिकता को बढ़ावा दे रही है।

मोदी ने जनसभा में लोगों से कहा कि बेंगलूरु, मगलूरु, अयोध्या, नयी दिल्ली, गांधी नगर, सूरत सहित विभिन्न शहरों में विस्फोट और मुंबई में ट्रेन के अंदर विस्फोट 2014 से पहले नियमित समाचार थे। उन्होंने कहा, क्या 2014 के बाद ऐसी खबरें आना बंद नहीं हो गईं? लेकिन बेंगलूरु में उनके (कांग्रेस) आते ही आतंकवादियों ने विस्फोट कर दिया। दुनिया भर में मशहूर हाईटेक शहर बेंगलूरु में एक कैफे में धमाका होता है। शुरुआत में कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा कथित तौर पर धमाके को बम विस्फोट के बजाए रसोई गैस सिलेंडर विस्फोट बताने के लिये उनकी आलोचना करते हुए, प्रधानमंत्री ने आश्चर्य जताया कि क्या कांग्रेस नेताओं का दिमाग फट गया या सिलेंडर। पाकिस्तान का जिक्र किए बिना मोदी ने कहा कि एक समय था जब पड़ोसी देश भारत में आतंकवादियों को निर्यात करता था, जो हमारे सैनिकों को मारने के बाद भाग जाते थे। अब सर्जिकल स्ट्राइक होती है।

'शहजादे' ने महाराजाओं का अपमान किया, लेकिन नवाबों के अत्याचारों पर चुप हैं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारत के राजाओं और महाराजाओं का अपमान करने, लेकिन तुष्टीकरण की राजनीति की खातिर नवाबों, निजामों, सुल्तानों और बादशाहों द्वारा किए गए अत्याचारों पर एक भी शब्द नहीं बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने ''विरासत कर'' मुद्दे पर भी कांग्रेस के खिलाफ हमला जारी रखा और कानून व व्यवस्था की स्थिति को लेकर कर्नाटक में पार्टी की सरकार पर निशाना साधा।

मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोगों की संपतियां बढ़ाने पर काम कर रही है, लेकिन कांग्रेस का शहजादा (राहुल गांधी) और उनकी बहन (प्रियंका गांधी वाद्रा) दोनों यह घोषणा कर रहे हैं कि अगर वे सत्ता में आए तो वे देश का 'एक्स–रे' करेंगे। प्रधानमंत्री ने पूछा, वे आपकी संपत्ति, बैंक लॉकर, जमीन, वाहनों, स्त्रीधन' और महिलाओं के आभूषण, सोने, मंगलसूत्र का 'एक्स–रे' करेंगे। ये लोग हर घर पर छापा मारेंगे और आपकी संपत्ति पर कब्जा करेंगे। कब्जा करने के बाद वे इसे पुन: वितरित करने की बात कर रहे हैं, वे उसे अपने प्रिय वोट बैंक को देना चाहते हैं...क्या आप इस लूट को होने देंगे?

मोदी ने कहा, ''मैं कांग्रेस को आगाह करना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा कि ''इस इरादे को छोड़ दीजिए। जब तक मोदी जिंदा है, मैं इसे होने नहीं दूंगा...।'' यहां एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ''कांग्रेस ने तुष्टीकरण और वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए हमारा इतिहास और स्वतंत्रता संघर्ष लिखा, बल्कि आज भी कांग्रेस के 'शहजादे' उस पाप को आगे बढ़ा रहे हैं। आपने कांग्रेस के शहजादे का हालिया बयान सुना होगा– वह कहते हैं कि भारत के राजा और महाराजा अत्याचारी थे।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''उन्होंने (गांधी) राजाओं और महाराजाओं पर लोगों तथा गरीबों की जमीन और संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया...कांग्रेस के शहजादे ने छत्रपति शिवाजी महाराज और कित्तूर की रानी चेन्नम्मा जैसी महान शख्सियतों का अपमान किया है जिनका प्रशासन और देशभक्ति आज भी हमें प्रेरित करता है।'' मैसूरू के पूर्व शाही परिवार के योगदान को याद करते हुए मोदी ने कहा, कांग्रेस के शहजादे ने वोट बैंक की राजनीति और तुष्टीकरण को ध्यान में रखते हुए जानबूझकर ऐसे बयान दिए। उन्होंने कहा कि मैसुरु के पूर्व शाही परिवार का उनके योगदान के लिए आज भी देशभर में सम्मान किया जाता है।

उन्होंने कहा, ''शहजादे ने राजा, महाराजाओं के बारे में बुरा–भला कहा, लेकिन भारत के इतिहास में नवाबों, निजामों, सुल्तानों और बादशाहों ने, जो अत्याचार किया, उसके बारे में शहजादे के मुंह पर ताला लग गया।'' मोदी ने कहा कि राहुल गांधी मुगल शासक औरंगजेब के जुल्मों को याद नहीं रख सकते। उन्होंने कहा, उसने (औरंगजेब) हमारे कई मंदिरों को अपवित्र किया और उन्हें ध्वस्त कर दिया। कांग्रेस उन दलों के साथ खुशी–खुशी गठबंधन कर रही है, जिन्होंने हमारे धार्मिक स्थानों को नष्ट किया, हत्याओं, गौ हत्या में शामिल रहे।

वे उस नवाब को याद नहीं करते, जिन्होंने भारत के विभाजन में भूमिका निभायी थी। मोदी ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय बनाने में बनारस के राजा और मंदिरों के पुनर्निर्माण में महारानी अहिल्याबाई होल्कर के योगदानों को भी याद किया।

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस की तुष्टीकरण की विचारधारा देश के सामने खुलकर आ गयी है और यह उनके घोषणा पत्र में भी दिखायी देती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी.एस. येडीयुरप्पा, बेलगावी से पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार और चिक्कोडी से उम्मीदवार अन्नासाहेब शंकर जोले इस जनसभा में उपस्थित रहे।

मोदी ने बेलगावी में एक आदिवासी महिला से कथित अत्याचार और चिक्कोडी में एक जैन मुनि की हत्या का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि जब से कांग्रेस कर्नाटक में सत्ता में आयी है, पूरे प्रदेश में कानून व व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गयी है। उन्होंने कहा कि ये घटनाएं शर्मनाक हैं और कर्नाटक के गौरव को कम करती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस वोटों की खातिर प्रतिबंधित राष्ट्र विरोधी संगठन पीएफआई की मदद ले रही है जो आतंकवाद का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, ''वायनाड में एक सीट जीतने के लिए आप उनके आगे घुटने टेक रहे हैं? भाजपा ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया और उसके नेताओं को जेल में भेज दिया है।'' मोदी ने कहा कि कांग्रेस ''विरासत कर'' के ''खतरनाक'' फॉर्मूला के साथ आयी है, जिसके अनुसार पार्टी सत्ता में आने पर उस संपत्ति या धन पर कर लगाएगी, जिसे लोग अपने बच्चों के लिए बचाकर रखते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, वे (कांग्रेस) कहते हैं, आप वह संपत्ति या धन नहीं दे सकते जो आप अपने बच्चों के लिए बचाते हैं। अगर आपको देनी है तो आपको उस पर 55 फीसदी कर देना होगा...इसे अपने वोट बैंक में बांटने के लिए वे आपकी संपत्तियों पर कब्जा जमाना चाहते हैं।

कर्नाटक में अंतर्कलह से जूझ रही है कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को यहां कांग्रेस पर हमला बोला और कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी अंतर्कलह से जूझ रही है। मोदी ने कांग्रेस के विभिन्न गुटों के बीच आंतरिक कलह के बारे में लोगों को आगाह करते हुए कहा कि जल्द ही यह झगड़ा सार्वजनिक हो जाएगा और प्रत्येक समूह संभावित चुनावी हार के लिए दूसरे को दोषी ठहराएगा।

उन्होंने कहा, अब वह दिन दूर नहीं जब कांग्रेस पार्टी के विभिन्न गुटों में चल रही आंतरिक लड़ाई सड़कों पर आ जाएगी। सभी गुट हार के लिए एक–दूसरे को जिम्मेदार ठहराते नजर आएंगे। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में पार्टी के महत्वपूर्ण लाभ हासिल करने की संभावना कम है। उन्होंने दावणगेरे में देखे गए भारी जन समर्थन का हवाला देते हुए संकेत दिया कि कर्नाटक के मतदाता कांग्रेस को उसकी कथित कमियों के लिए जिम्मेदार ठहराएंगे। उन्होंने कहा, इस बार

उनकी (कांग्रेस की) दिल्ली में खाता खोलने की संभावना खत्म हो गई है। दावणगेरे में यह भारी जनसमर्थन दिखाता है कि कर्नाटक की जनता कांग्रेस को उसके पापों की सजा देगी। मोदी ने पांच वर्षों में अपने सहयोगियों के बीच प्रधानमंत्री पद को घुमाने के इंडिया समूह के प्रस्ताव की व्यवहार्यता और लाभों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने राष्ट्रीय शासन पर ऐसी योजना के संभावित प्रभावों के बारे में चिंता जताई और सवाल उठाया कि क्या यह वास्तव में दीर्घकालिक रूप से देश के हितों की सेवा करेगा।उन्होंने कहा, मैंने सुना है कि इंडि गठबंधन एक नया फॉर्मूला लेकर आया है। पांच साल में सभी सहयोगियों के किसी एक नेता को एक–एक साल के लिए प्रधानमंत्री बनाया जाएगा। यानी एक साल में एक प्रधानमंत्री, दूसरे साल में दूसरा प्रधानमंत्री, तीसरे साल में तीसरा प्रधानमंत्री बनाया जाएगा। ऐसे में क्या देश को फायदा होगा, क्या आपको या आपके बच्चों को फायदा होगा? इस दौरान उन्होंने कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के दृष्टिकोण और राज्य में कांग्रेस प्रशासन के दृष्टिकोण की तुलना की।

उन्होंने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के उदेश्य के साथ निरंतर प्रयासों के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और कांग्रेस पर कथित निराशाजनक कार्य संस्कृति के साथ कर्नाटक की प्रगति को बाधित करने का आरोप लगाया। मोदी ने उच्चतम न्यायालय की हालिया फटकार का हवाला देते हुए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के बारे में निराधार अफवाहें फैलाने की कांग्रेस पार्टी की कथित कोशिशों की भी निंदा की। उन्होंने इन कार्रवाइयों को राष्ट्र के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए हानिकारक बताया और भारत की चुनावी प्रक्रियाओं की अखंडता को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया।

मोदी ने नेहा हत्याकांड के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कर्नाटक के बेलगावी में एमसीए की छात्रा नेहा हिरेमत की हत्या के मुद्दे पर कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला और राज्य में सत्तारूढ़ इस पार्टी की कानून –व्यवस्था बनाए रखने में विफलता के लिए कड़ी आलोचना की। मोदी ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बेलगावी, चिक्कोडी और हुब्बल्ली की घटनाओं का हवाला देते हुए कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर नागरिकों, विशेषकर महिलाओं के कल्याण पर तुष्टीकरण की राजनीति को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते हुए कॉलेज परिसर में हुए क्रूर हत्याकांड जैसे मामलों से भी कड़ाई से नहीं निपटने पर पर राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। मोदी ने कहा, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार आने से पूरे राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति चरमरा गयी है। यहां बेलगावी में एक आदिवासी बहन के साथ और चिक्कोडी में एक जैन साधु के साथ जो हुआ, वह शर्मनाक है।

मोदी ने यहां एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा, हुब्बल्ली के एक कॉलेज परिसर में हमारी बेटी नेहा के साथ जो हुआ, उसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। उसका परिवार कार्रवाई की मांग करता रहा, लेकिन कांग्रेस सरकार पर तुष्टीकरण का दबाव हावी रहा। उन्होंने कांग्रेस पर राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं की अनदेखी करने और चुनावी उद्देश्यों के लिए प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के साथ जुड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने बेंगलूरु के एक कैफे में बम विस्फोट की घटना के बाद उचित कार्रवाई करने में कांग्रेस की कथित विफलता का हवाला देते हुए सुरक्षा मुद्दों से निपटने में गंभीरता की कमी की ओर संकेत दिया।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर केवल चुनावी लाभ के लिए पीएफआई जैसे राष्ट्र–विरोधी संगठन का बचाव करने का आरोप लगाया, विशेष रूप से केरल के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में जहां से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, जब बेंगलूरु के एक कैफे में बम विस्फोट हुआ, तो कांग्रेस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने वोट के लिए पीएफआई का इस्तेमाल किया, जो आतंकवाद को आश्रय देने वाला एक राष्ट्र विरोधी संगठन है और जिस पर मोदी सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाया जा चुका है। कांग्रेस सिर्फ एक सीट, वायनाड में जीत हासिल करने के लिए ऐसे आतंकवादी संगठन पीएफआई का बचाव करने में लगी हुई है।

मोदी ने उच्चतम न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए ईवीएम और वीवीपैट के मुद्दे पर कथित तौर पर नागरिकों को गुमराह करने के लिए इंडि गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि न्यायालय ने उनकी आकांक्षाओं को चकनाचूर कर दिया। उन्होंने कांग्रेस पर एचएएल के बारे में झूठ फैलाने, महामारी के दौरान 'मेड इन इंडिया' कोविड टीकों का विरोध करने और ईवीएम की आड़ में विश्व स्तर पर भारत के लोकतंत्र की छवि खराब करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने ईवीएम के बारे में गलत सूचना प्रचारित करने वाले कांग्रेस नेताओं से माफी की मांग की।

सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की संलिप्तता वाले कथित 'सेक्स स्कैंडल' की जांच के लिए एसआईटी गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते और हासन से सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की संलिप्तता वाले कथित 'सेक्स स्कैंडल' की जांच के लिए रविवार को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया। कर्नाटक राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. नागलक्ष्मी चौधरी द्वारा सरकार को एक पत्र लिखे जाने के बाद यह कदम उठाया गया। रेवन्ना (33) हासन लोकसभा सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार हैं, जहां 26 अप्रैल को मतदान हुआ। जद(एस) पिछले साल सितंबर में राजग में शामिल हो गया था।

भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों की तीन सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) बिजय कुमार सिंह करेंगे। अन्य दो सदस्य, सहायक पुलिस महानिरीक्षक सुमन डी. पेनेकर और मैसूरू की पुलिस अधीक्षक सीमा लाटकर हैं। एसआईटी को शीघ्र अपनी जांच पूरी करने का निर्देश दिया गया है। प्रज्ज्वल की संलिप्तता वाले कुछ वीडियो क्लिप का हाल के दिनों में हासन में प्रसार किया गया है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने एसआईटी गठित करने की घोषणा की थी। उन्होंने शनिवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सरकार ने प्रज्वल रेवन्ना के आपत्तिजनक वीडियो मामले में एक विशेष जांच दल गठित करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पुलिस के पास यह सूचना है कि विधायक एवं पूर्व मंत्री एच.डी. रेवन्ना के बेटे प्रज्ज्वल देश छोड़कर चले गए हैं। डॉ. चौधरी ने बृहस्पतिवार को सिद्दरामैया और राज्य के पुलिस प्रमुख आलोक मोहन को पत्र लिख कर, हासन में प्रसारित किये जा रहे वीडियो की जांच कराने की मांग की थी।

प्रज्ज्वल ने अपने चुनाव एजेंट के जरिये अधिकारियों के समक्ष यह शिकायत दायर की कि वीडियो में छेड़छाड़ की गई है और चुनाव से पहले उनकी छवि धूमिल करने के लिए इसका प्रसार किया जा रहा है। गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा, ''उनके (प्रज्वल के) विदेश चले जाने के मामले में, एसआईटी उन्हें वापस लाने और जांच जारी रखने के लिए जिम्मेदार होगी। हम एसआईटी से नहीं कहेंगे कि जांच कैसे करनी है।''

उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रमुख डी.के. शिवकुमार ने कहा, ''...हमारा सिर शर्म से झुक गया है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने मीडिया में देखा कि वह 'भाग' गए हैं। यह एक अक्षम्य अपराध है। यह शर्म का विषय है। वह एक सांसद हैं और पूर्व प्रधानमंत्री के पोते हैं। वह उसी सीट से सांसद हैं जिसका प्रतिनिधित्व पूर्व प्रधानमंत्री ने किया था।'' एसआईटी पर सरकार के आदेश में कहा गया है कि यौन अपराध को अंजाम देने वालों, इसका वीडियो बनाने वाले और फिर इसे सार्वजनिक करने वाले लोगों को जांच के दायरे में शामिल किया जाए।

आदेश में कहा गया है कि होलेनरासीपुर पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (ए) (यौन उत्पीड़न), 354 (डी) (पीछा करना) और 506 (आपराधिक धमकी) और 509 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के मकसद से कुछ बोलना, इशारा या हरकत करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसकी एसआईटी विस्तार से जांच करेगी। आदेश के अनुसार, राज्य के विभिन्न हिस्सों में दर्ज इस घटना से जुड़े सभी मामले एसआईटी को हस्तांतरित किए जाएं, जो जांच के दौरान सीआईडी के संसाधनों का उपयोग करेगी।

कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन

'सेक्स स्कैंडल' मामले की जांच में तथ्य सामने आने दें : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (सेक्युलर) नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने रविवार को कहा कि वह कथित सेक्स स्कैंडल' में अपने भतीजे एवं हासन से सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की संलिप्तता के बारे में जांच में तथ्य सामने आने का इंतजार करेंगे, लेकिन उन्होंने कहा कि जिसने भी अपराध किया है, उसे माफ करने का सवाल ही नहीं उठता। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रज्वल रेवन्ना के कथित तौर पर देश छोड़ने से उनका कोई लेना–देना नहीं है और जरूरत पड़ने पर उन्हें वापस लाना विशेष जांच दल (एसआईटी) की जिम्मेदारी है।

प्रज्ज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एवं जद (एस) के संरक्षक एचडी देवेगौड़ा के बड़े बेटे एच.डी. रेवन्ना की संतान हैं। एचडी रेवन्ना भी विधायक हैं और मंत्री भी रह चुके हैं। प्रज्ज्वल रेवन्ना की संलिप्तता वाले कुछ कथित वीडियो हाल के दिनों में हासन जिले में प्रसारित हो रहे हैं। प्रज्ज्वल हासन से भाजपा–जद(एस) गठबंधन के उम्मीदवार हैं। इस सीट पर मतदान 26 अप्रैल को संपन्न हो चुका है।

कुमारस्वामी ने कहा, ''मुझे पता चला है कि मुख्यमंत्री ने एसआईटी जांच का आदेश दिया है। चाहे मैं हों या देवेगौड़ा (उनके पिता), हमने हमेशा महिलाओं के प्रति सम्मानपूर्वक व्यवहार किया है और जब भी कोई अपनी पीड़ा लेकर आया तो हमने समस्या को हल करने का प्रयास किया है।'' यहां संवाददाताओं से उन्होंने कहा, ''हासन मुद्दे में जांच के बाद तथ्य सामने आने दीजिए। चाहे कोई भी हो, जिसने भी कानून की नजर में गलत किया है, उसे माफ करने का कोई सवाल ही नहीं है। इसलिए जांच से तथ्य सामने आने दीजिए, उसके बाद मैं प्रतिक्रिया दूंगा।'' प्रज्ज्वल रेवन्ना के विदेश जाने के सवाल पर कुमारस्वामी ने कहा, ''इसका मेरे से संबंध नहीं है। एसआईटी जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

देवी काली की 18 फुट ऊंची मूर्ति केरल के मंदिर के लिए भेजी जाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजधानी जयपुर में संगमरमर के एक ही विशाल पत्थर से तराशी गई देवी काली की 18.5 फुट ऊंची मूर्ति को तिरुवनंतपुरम के पूर्णमिकावु मंदिर में भेजा जाएगा जयपुर के प्रसिद्ध मूर्तिकार मुकेश भारद्वाज ने राजस्थान के भैंसलाना से 45-50 टन वजनी संगमरमर के एक ही पत्थर से इस मूर्ति को बनाया है तथा इसे केरल के मंदिर में देवी दुर्गा और राजा मातंगी देवी की 12 फुट ऊंची मूर्तियों के बगल में स्थापित किया जाएगा। इस 18.5 फुट ऊंची मूर्ति के 'पीदम' (आधार) को शामिल करने के बाद देवी काली की मूर्ति की ऊंचाई 23 फुट हो गई है।

मंदिर के मुख्य क्यूरेटर एम एस भुवनचंद्रन ने कहा, देवी काली की मूर्ति, देवी दुर्गा और देवी लक्ष्मी की मूर्ति का स्थापना समारोह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के समान होगा। उन्होंने दावा किया कि यह संगमरमर के एक ही पत्थर से बनी सबसे ऊंची मूर्ति होगी। तीनों मूर्तियां जयपुर से केरल के तिरुवनंतपुरम के वेंगानूर स्थित चावड़ी नाडा स्थित मंदिर में भेजी जा रही हैं।

देवी बाला त्रिपुरा सुंदरी देवी को समर्पित पूर्णमिकावु मंदिर दुनिया की सबसे बड़ी पंचमुखी गणेश मूर्ति और 51 'अक्षर देवता' के आवास के लिए प्रसिद्ध है। सड़क मार्ग से जयपुर से तिरुवनंतपुरम की यात्रा के दौरान मूर्तियों के साथ उनके संबंधित 'वाहन' - शेर, बाघ, मोर और हंस भी होंगे। मूर्तियों को पूजा समारोह के बाद रविवार को ले जाने के लिए लादा गया था, लेकिन उनकी यात्रा सोमवार को शुरू होगी।

नाकाबंदी के दौरान वाहन की जांच कराने से मना करने पर भाजपा का निलंबित नेता गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में बीकानेर जिले की पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निलंबित नेता उस्मान गनी को पुलिस नाकाबंदी के दौरान अपने वाहन की जांच कराने से इनकार करने पर एतियातन गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राजस्थान में चुनावी रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणी पर गनी ने नाराजगी व्यक्त की थी जिसके बाद पिछले सप्ताह भाजपा ने उन्हें बीकानेर के जिला अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष पद से निष्कासित कर दिया था।

बीकानेर पुलिस अधीक्षक तेजवानी गौतम ने बताया कि गनी को शनिवार को दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 151 (संज्ञेय अपराध को रोकने के लिए गिरफ्तारी) के तहत हिरासत में लिया गया और रिहाई के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एडीएम) के सामने पेश किया गया। उन्होंने बताया कि गनी को मुक्ता प्रसाद नगर पुलिस थाने के बाहर नाकाबंदी के दौरान वाहन की जांच के लिए रोका गया था।

गौतम ने कहा, गनी ने वाहन की जांच कराने से इनकार कर दिया और उपद्रव किया जिसके बाद पुलिस की ओर से कार्रवाई की गई। गनी को पार्टी की छवि खराब करने के लिए पिछले सप्ताह बुधवार को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। गनी ने नयी दिल्ली में एक समाचार चैनल से बात करते हुए कहा था कि पार्टी 25 सीट में से तीन-चार सीट हार जाएगी।

उन्होंने राज्य में चुनावी रैलियों के दौरान मुसलमानों को लेकर प्रधानमंत्री द्वारा की गई टिप्पणियों की भी निंदा की थी। गनी ने कहा था कि एक मुस्लिम होने के नाते वह मोदी की बात से निराश हैं।

भाजपा की राज्य अनुशासन समिति के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने बुधवार को एक बयान में कहा, पार्टी ने भाजपा की छवि खराब करने के उस्मान गनी के कृत्य का संज्ञान लिया है और इसे अनुशासन का उल्लंघन मानते हुए उन्हें छह साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया।

पुलिस थाने के पास एक व्यक्ति का शव मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के कानोता थाने के पास पुलिस ने रविवार सुबह एक व्यक्ति का शव बरामद किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सुबह की सैर के लिए आने वाले लोगों ने कानोता तिराहा के पास ठेले पर शव मिलने की सूचना पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। मृतक के हाथ पर लिखे नाम की मदद से पुलिस ने उसकी पहचान बृजमोहन के रूप में की है। जिस स्थान पर शव मिला वह कानोता थाने के नजदीक है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

लोकसभा चुनाव के मतदान में बाड़मेर रहा अव्वल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में गत 19 एवं 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव में 25 सीटों पर दो चरणों में हुए मतदान में बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र अवल्ल रहा है जहां सर्वाधिक 76.5 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया वहीं इस क्षेत्र का बायतू विधानसभा एवं बांसवाड़ा (सु) लोकसभा क्षेत्र के घाटोल विधानसभा इलाके में सर्वाधिक 82.15 प्रतिशत मतदान हुआ।

निर्वाचन विभाग के अनुसार लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 25 लोकसभा क्षेत्रों में 62.10 प्रतिशत मतदान रहा जो गत वर्ष 2019 की तुलना में 4.24 प्रतिशत कम रहा लेकिन बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र के आठों विधानसभा क्षेत्रों सहित 24 विधानसभा क्षेत्रों में इस बार मतदान गत लोकसभा चुनाव से अधिक रहा। हालांकि इस बार सबसे कम मतदान 50.04 प्रतिशत करौली-धौलपुर संसदीय क्षेत्र में रहा जो गत चुनाव से 5.13 प्रतिशत कम रहा। इस बार इस चुनाव में बांसवाड़ा (सु) लोकसभा क्षेत्र का सपोटरा विधानसभा क्षेत्र ऐसा रहा जहां सबसे कम 40.21 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया।

इस बार बाड़मेर लोकसभा में जहां सर्वाधिक मतदान रहा वहीं इसके सभी आठों विधानसभा क्षेत्रों में भी गत वर्ष की तुलना में मतदान अधिक रहा। इनमें सर्वाधिक मतदान वाले बायतू में गत लोकसभा चुनाव से 4.59 प्रतिशत अधिक मतदान हुआ जबकि जैसलमेर में 6.51 प्रतिशत मतदान अधिक रहा। इसी तरह बाड़मेर में 4.08, शिव में 2.79, सिवाना में 1.67, गुडामालानी में 1.60, पचपदरा में 0.80 एवं चौहटन में 0.65 प्रतिशत मतदान अधिक रहा। इस बार गत लोकसभा चुनाव से अधिक मतदान वाले बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र के इन इलाकों के अलावा प्रदेश में अंता, रामगंजमंडी, लाडपुरा, कोटा दक्षिण एवं कोटा उत्तर, सांगोद, पिपल्दा, चोरासी, सागवाड़ा, डूंगरपुर एवं तारानगर, बूंदी, केशोरायपाटन, निम्बाहेड़ा, गढ़ी और घाटोल विधानसभा क्षेत्र है जहां गत लोकसभा चुनाव से ज्यादा मतदान रहा जबकि झुंझुनूं का पिलानी विधानसभा क्षेत्र में इस बार गत लोकसभा चुनाव की तुलना में सबसे कम 13.53 प्रतिशत मतदान कम रहा जहां गत चुनाव में 63.52 की तुलना में इस बार 49.71 प्रतिशत मतदान रहा। बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र की तरह कोटा और बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्र में भी गत लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार के मतदान प्रतिशत में वृद्धि दर्ज की गई है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में इस बार लोकसभा चुनाव में पांच करोड़ 33 लाख 67 हजार 103 मतदाताओं में से तीन करोड़ 28 लाख 35 हजार 337 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इनमें एक करोड़ 72 लाख 73 हजार 719 पुरुष, एक करोड़ 55 लाख 61 हजार 285 महिला मतदाता एवं 33 थर्ड जेंडर शामिल है। इस बार चुनाव में 62 प्रतिशत पुरुष मतदाता, करीब 61 प्रतिशत महिला मतदाता एवं 53 प्रतिशत से अधिक थर्ड जेंडर ने अपना वोट किया। इस चुनाव में 18-19 वर्ष की आयु के करीब 16.64 मतदाताओं में से लगभगत 9.96 लाख ने अपने मताधिकार का उपयोग किया जो इनका मतदान 60 प्रतिशत रहा। इसी तरह इस बार 85 से अधिक आयु के बुजुर्ग मतदाताओं ने भी मतदान के प्रति काफी उत्साह दिखाया और 67 प्रतिशत से अधिक ऐसे मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। राज्य में वर्ष 2019 के लोकसभा आम चुनाव में 66.34 प्रतिशत मतदान हुआ था।

गोली मारकर युवक की हत्या, चार गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र में गोली मारकर युवक की हत्या करने के मामले में पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने ब्लाइन्ड मर्डर का 24 घन्टे में खुलासा कर दिया। पत्नी के साथ अवैध संबध होने के शक व पैसों के लेन देन के विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया है। वारदात में शामिल जीतेश पुत्र राजपाल जाति मीना, रामनाथ उर्फ पायलेट पुत्र राजाराम जाति मीना, विकास कुमार मीना पुत्र राजपाल जाति मीना, अशोक मीना पुत्र श्रीमन मीना जाति मीना उम्र 29 साल को गिरफतार किया है।

एसपी रंजीता शर्मा ने बताया कि मृतक के भाई विजय सिह निवासी चांदेरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पेशउसका बडा भाई बत्तूलाल पुत्र हरसहाय मीना टेन्ट का कार्य करता था। 25 अप्रेल को भाई ने जीतेश मीना को फोन किया तथा कहा कि ये लेग मुझे मार रहे हैं। तुम आकर मुझे बचा लो। मैं रेती वाले खेत पर हूं। उसके बाद जितेश मीना व 4-5 व्यक्ति रेतीवाले खेत चांदेरा पर पहुंचे तो वहां मेरा भाई पडा मिला। उसके बाद योगेन्द्र मीना ने मेरे बडे भाई निहालसिंह को फोन कर सूचना दी की बत्तूलाल को किसी ने गोली मार दी है।

मृतक बत्तूलाल मीना व आरोपी जीतेश मीना ने करीब 6-7 साल पूर्व टैन्ट हाउस का बिजनिस पार्टनरशिप में शुरु किया था। बिजनिस के चलते मृतक बत्तूलाल मीना का आरोपी जीतेश मीना के घर आना जाना रहता था व पैसों का लेनदेन भी चल रहा था। घटना के करीब 15 दिन पूर्व सायंकाल मृतक बत्तूलाल मीना आरोपी जीतेश मीना के घर ग्राम ब्रह्मबाद आया था। जहां पर आरोपी की पत्नी घर पर अकेली थी। मृतक बत्तूलाल को घर पर बिना किसी घर के आदमी के घर पर आने की बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी व विवाद हुआ था। जिसकी रंजिश को लेकर व पैसों के लेने देन के विवाद को लेकर आरोपी पक्ष ने अपने परिवारजन व रिश्तेदार के साथ मिलकर षडयंत्र रचकर मृतक बत्तूलाल मीना को घटना के दिन सायंकाल को खेत पर साथ ले जाकर अवैध देशी कट्टे से फायर कर हत्या को अंजाम दिया। घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिये मृतक के पेन्ट की जेब में एक जिंदा कारतूस रख दिया व देशी कट्टे को भी मौके पर पटक दिया। पुलिस को गुमराह करने के लिये मृतक के फोन का इस्तेमाल कर आरोपी जीतेश को फोन किया व मृतक पर फायर होने की जानकारी दी। जो कि आरोपियों के षडयंत्र का एक हिस्सा था। जिसके तहत आरोपी जीतेश मीना अपने साथ काम कर रहे अन्य मजदूरों को साथ लेकर घटनास्थल पंहुचता है व मृतक को बोलेरो गाडी में रख कर पुलिस को सूचना करता है। जिससे किसी को आरोपियों पर किसी प्रकार का कोई शक न हो। इस मामले के शीघ्र खुलासे को 5 टीम गठित की थी। एएसपी दिनेश अग्रवाल, मानपुर डीएसपी दीपक मीना के सुपरविजन में मेहन्दीपुर बालाजी थानाधिकारी गौरव प्रधान के नेतृत्व में गठित विभन्न टीम द्वारा 4 हत्यारों को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की गई।

वाहनों पर 30 जून तक हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगाना अनिवार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान में एक अप्रैल 2019 से पहले खरीदे गए समस्त प्रकार के वाहनों में हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगाने के लिए अंतिम तिथि 30 जून है। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी नेमीचन्द पारीक ने बताया कि एक अप्रैल 2019 से पहले खरीदे गए वाहनों में बड़ी संख्या में हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट नहीं लगवाई है।

अभी भी वाहन स्वामी पुराने वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगवाने के लिए एसआईएएम के पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2019 से पहले उपलब्ध नम्बर प्लेटों के साथ आसानी से छेड़छाड़ की जा सकती थी या उन्हें आसानी से हटाया जा सकता था। ऐसे में पुलिस एवं परिवहन अधिकारियों को किसी अपराध में संलिप्त वाहनों को ट्रेक करना मुष्किल हो जाता था। अब हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लग जाने से वाहनों की चोरी एवं अन्य अपराधों में कमी आएगी क्योंकि ये केवल एक बार ही प्रयोग की जा सकती है और वाहन में लगने के बाद खुलती नहीं है, बल्कि इनके हिंज को काटना पड़ता है।

हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगाने के लिए विभाग ने समय सीमा निर्धारित कर दी थी। विभागीय परिपत्र के अनुसार अंतिम तिथि 30 जून है। इस अवधि के बाद जिन वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट नहीं लगी पाई गई उनके विरूद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत दण्डनीय कार्रवाई की जाएगी।

समस्या और सुझाव को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल से मिला शिक्षक संघ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरोही। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम व प्रदेश अध्यक्ष रमेशचंद्र पुष्करणा के नेतृत्व में राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न समस्याओं की जानकारी देकर की समाधान करवाने की मांग की गई। इसके साथ ही शिक्षा हित में विभिन्न सुझाव मुख्यमंत्री को दिए गए।

संगठन के मीडिया प्रकोष्ठ और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सतीश शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान प्रदेश अध्यक्ष रमेशचंद्र पुष्करणा ने शिक्षक कल्याण बोर्ड का गठन करने। वेतन विसंगतियों के निराकरण के लिए गठित सावंत और खेमराज कमेटी की रिपोर्टों को सार्वजनिक कर तत्काल लागू करने। समस्त शिक्षक संवर्गों की सभी वेतन विसंगतियों का तत्काल निवारण करने के साथ प्रदेश के शिक्षकों को सभी प्रकार के गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने की मांग की गई। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम ने संघटन द्वारा शिक्षक हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए मान्यता प्रदान करवाने की मांग की गई।

प्रदेश महामंत्री महेंद्र कुमार लखारा ने आरपीएमएफ, आरजीएचएस की कटौती में कमी करने और आयकर में छूट देने। अस्पताल में उपचार के दौरान पिछली सरकार में लागू प्रतिदिन एक हजार रुपये की लिमिट और महीने में पांच आउटडोर की लिमिट समाप्त करने का आग्रह किया गया। इसके साथ ही शिक्षा विभाग में की जा रही संविदा आधारित नियुक्ति प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने। नियमित भर्ती से ही पद भरे जाने की प्रक्रिया शुरू करवाने। पूर्व से शिक्षक कार्य करा रहे समस्त संविदा कार्मिकों शिक्षाकर्मी, पैराटीचर, पंचायत शिक्षक को नियमित करवाने। राज्य सेवा एवं अन्य प्रशासनिक सेवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में संस्कृत के दस से 15 अंकों के प्रश्न निर्धारित करने। राजस्थान के शिक्षकों को 1000 रुपये प्रतिमाह ग्रामीण भत्ता देने की मांग की गई। डेढ़ घंटे चली इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करवाने का आश्वासन दिया।

राजस्थान में 18-19 वर्ष आयु वर्ग के करीब 60 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव-2024 के तहत पंजीकृत हुये 18-19 वर्ष आयु के कुल 16,64,845 नये मतदाताओं में से 9,91,505 ने मतदान किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने एक बयान में बताया कि इस आयु वर्ग के लगभग 60 प्रतिशत मतदाताओं ने लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि यह आंकड़ा 2019 के लोकसभा चुनावों की तुलना में कम है।

गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान 18-19 वर्ष आयु के कुल पंजीकृत 13,82,834 नये मतदाताओं में से 10,60,637 यानी 76.70 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया। गुप्ता ने बताया कि 2019 के चुनावों की तुलना में चार लोकसभा क्षेत्रों में 70 प्रतिशत से अधिक

मतदान हुआ। साल 2019 में बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र में 66.43 फीसदी मतदान हुआ था जो कि इस बार 74.59 फीसदी रहा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 की तुलना में इस वर्ष कोटा लोकसभा क्षेत्र में मतदान 67.95 प्रतिशत से बढ़कर 73.39 प्रतिशत, अलवर में 54.41 प्रतिशत से बढ़कर 55.08 प्रतिशत और श्रीगंगानगर लोकसभा क्षेत्र में 61.48 प्रतिशत से बढ़कर 62.01 प्रतिशत हो गया है। सबसे अधिक 8.16 प्रतिशत की वृद्धि बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र में हुई है। कोटा लोकसभा क्षेत्र में मतदान 5.44 फीसदी बढ़ा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राज्य के 92 विधानसभा क्षेत्रों में 18-19 वर्ष आयु वर्ग के नये मतदाताओं के औसत से अधिक मतदान दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा पांच विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां 90 फीसदी से अधिक मतदान हुआ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश की 92 विधानसभा क्षेत्रों में 18-19 वर्ष आयु वर्ग के नये मतदाताओं के औसत मतदान से अधिक मतदान दर्ज किया गया है। साथ ही, पांच विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं, जहां 90 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है।

उन्होंने बताया कि बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्र के बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र में 99.37 प्रतिशत, बांसवाड़ा में 95.81 प्रतिशत और घाटोल विधानसभा क्षेत्र में 91.08 प्रतिशत मतदान हुआ है। जोधपुर लोकसभा क्षेत्र के सूरसागर विधानसभा क्षेत्र में 97.62 प्रतिशत और बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र के जैसलमेर विधानसभा क्षेत्र में 96.63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है।

कीटनाशक दवाइयां बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में खैरथल तिजारा जिले अंतर्गत भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में एक कीटनाशक

दवाइयां बनाने वाली फैक्ट्री में रविवार सुबह अचानक आग लग गई। आग प्लांट के एक हिस्से में लगी, जिसके बाद देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। गनीमत रही कि कंपनी की छुट्टी होने के कारण कोई कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं था।

जिससे किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई। घटना चोपानकी औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टिसाइड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में आज सुबह की है।

जानकारी के अनुसार दवाई बनाने वाली फैक्ट्री में अज्ञात कारणों के चलते अचानक से आग लग गई। आग की लपटे देख राह चलते आसपास के लोगों ने आग की सूचना रीको फायर स्टेशन और चोपानकी पुलिस को दी। जिसके बाद सूचना मिलने पर दो फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन आग की लपटे लगातार बढ़ती जा रही थी। जिसके बाद तीन और फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया गया। जो लगातार आग बुझाने में जुटी हुई। वहीं आग लगने की सूचना कंपनी मैनेजमेंट को दे दी है। वहीं चोपानकी थाना पुलिस भी मौके पर मौजूद है रिको फायर स्टेशन इंचार्ज राजू खान ने बताया कि कंपनी में आग लगने की सूचना मिली थी। जिसके बाद मौके पर तुरंत ही फायर ब्रिगेड को भेजा गया है।

वायु सेना की बड़ी उपलब्धि, सी-17 विमान से स्वदेशी बीएमपी की हवाई डिलीवरी का परीक्षण सफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान राज्य के कई जिले इंटरनेशनल बॉर्डर पाकिस्तान से सटे हुए हैं । उनमें गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर ,बाड़मेर,बीकानेर और जोधपुर जिले शामिल है। इनमें से एक जिले बीकानेर में सेना की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज है, यानी वह इलाका जहां पर थल और वायु सेवा अभ्यास करती है । अक्सर कई बड़े देशों के सैनिक भी भारतीय सेना के साथ अभ्यास में शामिल रहते हैं। इन्हीं अभ्यास के दौरान इंडियन एयर फोर्स ने एक ऐसी सफलता हासिल की है जिसके लिए फोर्स को सोशल मीडिया पर लगातार बधाई मिल रही है। बीकानेर के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में इंडियन एयर फोर्स का एक प्रैक्टिस सेशन हुआ। इस सेशन के दौरान स्पेशल एयरक्राफ्ट के जरिए हवा में उड़ते हुए एक मैकेनाइज्ड प्लेटफॉर्म (बीएमपी) को युद्ध स्थल या अन्य जगहों पर सुरक्षित तरीके से उतारने का अभ्यास किया गया। वायु सेवा के विशेष विमान के जरिए सैकड़ों किलो वजनी कुछ वस्तुओं को हवा से सुरक्षित तौर पर नीचे जमीन पर उतरा गया। इंडियन एयर फोर्स के सी-17 विमान के जरिए यह गतिविधि अंजाम दी गई। सेना की भाषा में इसे एयरड्राप कहा जाता है।

विमान के जरिए कई पैराशूट बांधकर मैकेनाइज्ड प्लेटफार्म को हवा से नीचे फेंका गया और सबसे बड़ी बात यह रही कि जिस जगह उसे ड्राप करना था उसी जगह पर यह सुरक्षित रूप से ड्रॉप भी हो गया। इस तमाम प्रक्रिया में भारत में विकसित वस्तुओं और मशीनरी को काम में लिया गया। इस प्रक्रिया के बाद भारतीय वायु सेवा को भारी मशीनरी सुरक्षित तौर पर जमीन पर उतारने में कामयाबी मिली है।

सत्ता से वंचित होने के बाद कांग्रेस-सपा व बसपा बिन पानी मछली की तरह तड़प रहे हैं : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आंवला/बदायूं/ एटा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर जमकर प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि सत्ता से वंचित होने के बाद कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ऐसे तड़प रही है, जैसे बिन पानी मछली तड़पती है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने आंवला में भाजपा उम्मीदवार धर्मेंद्र कश्यप, बदायूं में दुर्विजय शाक्य और आगरा से पार्टी उम्मीदवार व केंद्रीय मंत्री एसपी बघेल के समर्थन में अलग-अलग चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया।

एटा जिले की जलेसर विधानसभा सीट आगरा लोकसभा क्षेत्र में आती है जहां बघेल के समर्थन में मुख्यमंत्री की सभा की।

आंवला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दस वर्ष में बदले भारत की तस्वीर रखते हुए आदित्यनाथ ने दावा किया कि सत्ता से वंचित होने के बाद सपा-कांग्रेस, बसपा के लोग ऐसे तड़प रहे हैं, जैसे बिन पानी मछली तड़पती है।

आदित्यनाथ ने कहा, हम सपा, बसपा व कांग्रेस से 10 प्रश्न पूछना चाहते हैं। कांग्रेस को 60-65 वर्ष, सपा-बसपा ने प्रदेश में तीन से चार बार शासन किया, फिर भी उन्होंने समस्याएं पैदा कीं। हम पूछना चाहते हैं कि देश के सामने पहचान, सुरक्षा का संकट पैदा करने वाले कौन हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, मुलायम सिंह यादव (सपा संस्थापक) की मृत्यु पर हम लोग लखनऊ व सैफई गए थे, लेकिन उप्र के विकास व राम जन्म भूमि के लिए कल्याण सिंह का जीवन समर्पित रहा। सपा के मुख से उनके लिए संवेदना का एक भी शब्द नहीं फूटा, लेकिन यह लोग माफिया के मरने पर फातिहा पढ़ने गए थे। आदित्यनाथ ने कहा, ऐसे लोगों को सत्ता में आने का अधिकार नहीं है।

बदायूं के बिल्सी में आयोजित सभा में आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर अपने ही परिवार के सदस्यों को कथित तौर पर टिकट देने पर तंज कसा।

उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी ने इतनी बार अपना प्रत्याशी बदल दिया है कि अखाड़ा सजने से पहले ही वह अपनी हार मान चुकी है। यहां से तो चाचा (शिवपाल सिंह यादव) ने भी पलायन करना ठीक समझा और भतीजे (धर्मेंद्र यादव) के पांव भी पहले ही उखड़ चुके हैं।

'गुटबाजी' में तृणमूल कार्यकर्ता की हत्या, महिला भाजपा नेता पर हमला

कोलकाता/भाषा। कोलकाता में अलग-अलग घटनाओं में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक स्थानीय नेता गंभीर रूप से घायल हो गईं।

इस संबंध में एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि तृणमूल कार्यकर्ता संजीव दास की कथित तौर पर पार्टी के दो गुटों के बीच झड़प में बागुईआटी इलाके में हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि शनिवार रात को बागुईआटी के अर्जुनपुर वेस्ट पारा में हुए झगड़े में दोनों तरफ से ईंट-पत्थर फेंके जाने की घटना में दास गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

अधिकारी ने बताया कि दास के खिलाफ 11 मामले दर्ज थे। उन्होंने कहा कि घटना के संबंध में कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

दास के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि स्थानीय पार्षद के प्रति निष्ठा रखने वाले तृणमूल कार्यकर्ताओं ने इस घटना को अंजाम दिया। उन्होंने दावा किया कि दास को ईंट-पत्थर फेंके जाने की घटना में घायल होने के बाद डंडों से भी पीटा गया।

ममता ऐसी सरकार चाहती हैं जो आतंकवाद के खिलाफ नरम रुख अपनाए : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुर्शिदाबाद (प. बंगाल)/ भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने रविवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी केंद्र में ऐसी सरकार चाहती हैं जो ''आतंकवाद को लेकर नरम'' रुख अपनाए।

नड्डा ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि राज्य में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार, जबरन वसूली, तुष्टीकरण और भेदभाव के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा, हम 'मजबूत सरकार' की बात करते हैं, लेकिन ममता बनर्जी 'मजबूर सरकार' चाहती हैं। वह दिल्ली में ऐसी सरकार चाहती हैं जो तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार एवं भेदभाव में विश्वास रखती हो और आतंकवादियों के प्रति नरम रुख अपनाती हो।

नड्डा ने कहा, हम तुष्टीकरण की उनकी राजनीति के खिलाफ हैं, जो घुसपैठियों का समर्थन करती है और सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) का विरोध करती है... उनकी सरकार को आतंकवादियों से सहानुभूति है। उन्होंने उस स्कूल भर्ती घोटाले का जिक्र किया जिसके कारण करीब 26,000 लोगों की नौकरियां चली गईं। नड्डा ने आरोप लगाया कि तृणमूल शासन में भ्रष्टाचार और लूट आम बात हो गई है।

जनता की भावनाओं को समझते ही '400 पार' का नारा भूल गई भाजपा : अखिलेश

संभल (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आम चुनाव के तीसरे चरण में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एक भी सीट न मिलने का दावा करते हुए रविवार को कहा कि जनता की भावनाओं को समझा सत्तारूढ़ दल 400 पार का नारा भूल गया है। सपा प्रमुख ने संभल में पार्टी उम्मीदवार जिया-उर-रहमान बर्क के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा ने 400 पार का नारा दिया। जैसी ही दूसरा चरण समाप्त हुआ, (वे) 400 पार का नारा भूल गए।

यादव ने कहा, भाजपा के लोगों को हवा का रुख पता नहीं था, इसलिए 400 पार कह रहे थे और जब दो चरणों के चुनावों में जनता की भावना समझ गए कि जनता 400 सीटें हराने जा रही है तो भाजपा अपना नारा भूल गई।

सपा प्रमुख ने कहा, पहले चरण में पश्चिम से जो हवा चली उसने भाजपा को पलटने का काम किया, उनकी सरकार को बदलने का काम किया। दूसरे चरण में भी वही दिखा, लोग भाजपा को स्वीकार नहीं कर रहे। तीसरे चरण में अब आपकी जिम्मेदारी है। यादव ने संभल से अपना रिश्ता जोड़ते हुए कहा, इस हिस्से से लेकर हमारे घर (इटावा-मैनपुरी) तक चुनाव है। इस क्षेत्र (संभल) से नेताजी (मुलायम सिंह यादव) भी सांसद रह चुके हैं। यहां से लेकर मैनपुरी तक वोट पड़ने जा रहा है। इस चरण में मैं कह सकता हूं कि भाजपा का किसी भी लोकसभा में खाता नहीं खुलने वाला। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव 1998 और 1999 में दो बार संभल लोकसभा क्षेत्र से सांसद रह चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उन सीट की गिनती हो जहां भाजपा सबसे ज्यादा मतों से हारी हो, तो उनमें संभल संसदीय सीट का भी नाम होना चाहिए।

पीलीभीत में तेंदुए ने घर में घुसकर चाचा-भतीजे को घायल किया

पीलीभीत (उप्र)/भाषा। पीलीभीत नगर कोतवाली इलाके में एक तेंदुए ने घर में घुसकर एक व्यक्ति और उसके भतीजे पर हमला कर दिया जिससे दोनों घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। नगर कोतवाली पुलिस के अनुसार, तेंदुए के हमले की घटना क्षेत्र के अंतर्गत पुरानी पीलीभीत गांव की है। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह राम अवतार अपने भतीजे बादशाह के साथ घर के अंदर चारपाई पर बैठकर बात कर रहे थे, तभी पास के खेत से अचानक निकला तेंदुआ घर में घुस गया और राम अवतार पर हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, चाचा पर हमलावर हुए तेंदुए को जब बादशाह ने भागने का प्रयास किया तो जंगली पशु ने उसपर भी हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि आसपास मौजूद ग्रामीणों ने चाचा-भतीजे को तेंदुए के चंगुल से बचाया और दोनों घायलों को जिला अस्पताल लेकर गए।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर रहेगा भारत, चाहे प्रधानमंत्री कोई भी हो : चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''शेखी बघारने वाला व्यक्ति'' करार देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर रहेगा, चाहे प्रधानमंत्री कोई भी हो।

उन्होंने कहा कि मोदी भविष्य की ऐसी संभावना को अपनी गारंटी बता रहे हैं जो भारतीय बाजार के विशाल आकार को देखते हुए होनी ही है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि भारत अपनी जनसंख्या के आकार को देखते

हुए यह उपलब्धि हासिल करेगा और इसमें ''जादू'' जैसी कोई बात नहीं है। हालांकि, उन्होंने एक ऐसी समयसीमा बताने से परहेज किया, जिसके भीतर देश वैश्विक रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। विश्व अर्थव्यवस्था रैंकिंग 2024 के अनुसार, 4.8 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के जीडीपी के साथ भारत अब केवल अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी से पीछे है। दुनिया की शीर्ष 10 अर्थव्यवस्थाओं की सूची में शामिल फ्रांस, इटली, ब्राजील, कनाडा और ब्रिटेन जैसे देश रैंकिंग में भारत से नीचे हैं। चिदंबरम ने कहा, मोदी बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने में माहिर हैं। वह अंकगणित की अवश्यंभाविता को गारंटी में बदल रहे हैं। यह तो होना ही है.... भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने कहा, वर्ष 2004 में भारत की जीडीपी 12वें स्थान पर थी। 2014 में यह सातवें स्थान पर पहुंच गई। 2024 में भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। प्रधानमंत्री कोई भी हो, भारत दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। इसमें जादू जैसी कोई बात नहीं है।

सीबीआई जांच के अदालत के आदेश के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार उच्चतम न्यायालय पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संदेशखालि

नई दिल्ली/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय के संदेशखालि में महिलाओं के खिलाफ अपराध और जमीन हड़पने के आरोपों की सीबीआई जांच का निर्देश देने के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार की एक याचिका पर उच्चतम न्यायालय सोमवार को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के इस मामले की सुनवाई करने की संभावना है।

शीर्ष अदालत के समक्ष अपनी याचिका में, राज्य सरकार ने कहा है कि उच्च न्यायालय के 10 अप्रैल, 2024 के आदेश ने पुलिस बल सहित पूरे राज्य तंत्र को हतोत्साहित किया है। याचिका में कहा गया है, उच्च न्यायालय ने एक बहुत ही सामान्य आदेश में राज्य को बिना किसी दिशानिर्देश के केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है, भले ही वह जनहित याचिका में याचिकाकर्ताओं द्वारा लगाए गए आरोपों से संबंधित न हो। यह संदेशखालि क्षेत्र में किसी भी संज्ञेय अपराध की जांच करने के लिए राज्य पुलिस की शक्तियों को हड़पने के समान है। संदेशखालि में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमले के मामले की जांच पहले से ही सीबीआई कर रही है और एजेंसी ने पांच जनवरी की घटनाओं से संबंधित तीन प्राथमिकी दर्ज की हैं।

जांच की निगरानी अदालत द्वारा किए जाने का उल्लेख करते हुए, उच्च न्यायालय ने राजस्व दस्तावेज और कथित भूमि के भौतिक निरीक्षण का गहन निरीक्षण करने के बाद मछली पालन के लिए कृषि भूमि के जल निकायों में कथित अवैध रूपांतरण पर एक व्यापक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को संदेशखालि में महिलाओं के खिलाफ अपराध और भूमि पर कब्जा करने के आरोपों की जांच करने और सुनवाई की अगली तारीख पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया है। उच्च न्यायालय की पीठ ने मामले को अगली सुनवाई के लिए दो मई को सूचीबद्ध किए जाने का निर्देश दिया तथा उस दिन तक सीबीआई को रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा था।

कांग्रेस व माकपा बंगाल में भाजपा की मदद कर रहे हैं : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलियाचक (प. बंगाल)/भाषा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के पश्चिम बंगाल में अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का जिक्र करते हुए रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और माकपा राज्य में भाजपा की मदद कर रहे हैं।

मालदा जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस केंद्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ेगी और लोकसभा चुनाव के बाद 'इंडिया' गठबंधन की सरकार के गठन में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा, बंगाल में कांग्रेस के साथ हमारा कोई गठबंधन नहीं है। यहां माकपा का कांग्रेस के साथ गठबंधन है। दोनों भाजपा के साथ मिले हुए हैं और यदि आप (मतदाता) कांग्रेस या माकपा को वोट देते हैं तो यह भाजपा विरोधी वोट को बांटने और यह (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी की मदद करने के समान है। बनर्जी ने दावा किया कि तृणमूल इस शर्त के साथ कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा करना चाहती थी कि उन्हें बंगाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के साथ कोई तालमेल नहीं रखना चाहिए, लेकिन उन्होंने (कांग्रेस) यह बात नहीं सुनी। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और माकपा के नेता भाजपा की ही भाषा बोल रहे हैं और राज्य

में टीएमसी संचालित सरकार की जनहितैषी नीतियों के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। एसएससी भर्ती के संबंध में कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बारे में मोदी की टिप्पणियों पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, 26,000 युवाओं ने अचानक अपनी नौकरी खो दी है। क्या इससे आपको खुशी मिलती है?'' वहीं, मालदा उत्तर सीट के हबीबपुर में एक अन्य रैली में तृणमूल प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा मतदान की तारीख की पूर्व संध्या पर ''वोट खरीदने के लिए मतदाताओं को पैसे देती है। उन्होंने कहा, इस कदाचार को क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारियों और हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं के संज्ञान में लाएं। भाजपा लोगों के लिए काम करने में विश्वास नहीं करती है, यह लोगों को रिश्वत देने में विश्वास करती है। क्या किसी को ऐसी भ्रष्ट पार्टी को वोट देना चाहिए जिसका कोई सिद्धांत नहीं है। बनर्जी ने प्रधानमंत्री पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा, उन्होंने महिलाओं को उनकी संपत्ति, सोने के गहने, मंगलसूत्र छीने जाने के बारे में डराने की कोशिश की है। क्या ऐसा कभी हो सकता है?''

दुर्भावनापूर्ण तरीके से राहुल के बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे प्रधानमंत्री : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राहुल गांधी पर लगाए गए आरोप के संबंध में रविवार को पलटवार करते हुए कहा कि वह सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने के लिए पूर्व कांग्रेस प्रमुख के हर बयान को ''दुर्भावनापूर्ण तरीके से तोड़-मरोड़कर पेश'' करते हैं।

विपक्षी दल की टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रविवार को राहुल गांधी पर भारत के राजाओं और महाराजाओं का अपमान करने, लेकिन तुष्टीकरण की राजनीति की खातिर नवाबों, निजामों, सुल्तानों और बादशाहों द्वारा किए गए अत्याचारों पर एक भी शब्द नहीं बोलने का आरोप लगाए जाने के बाद आई। प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी ने सारी हदें पार कर दी हैं।

रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, वह सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों और भावनाओं को भड़काने के लिए राहुल गांधी के हर बयान को दुर्भावनापूर्ण तथा शरारतपूर्ण तरीके से तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं। उन्होंने कहा, उनकी (मोदी) विदाई तय है तथा इसका एहसास उन्हें और अधिक हताश कर रहा है।

मोदी अरबपतियों के लिए सरकार चलाते हैं, पटनायक कुछ चुनिंदा लोगों के लिए : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटक/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केंद्र में अरबपतियों के लिए सरकार चलाते हैं तो दूसरी ओर ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक एक ऐसी सरकार का नेतृत्व करते हैं जो केवल राज्य के ''चुनिंदा लोगों'' के लिए काम करती है।

गांधी ने कटक के सालेपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि भले ही बीजू जनता दल (बीजद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन वास्तव में वे एक साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इसे साझेदारी कहें या कुछ और नाम दें लेकिन बीजद और भाजपा दोनों एक साथ हैं। गांधी ने पटनायक पर निशाना साधते हुए

कहा कि भले ही पटनायक मुख्यमंत्री हैं, लेकिन राज्य में बीजद सरकार उनके सहयोगी वी के पांडियन चला रहे हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी और पटनायक की कथित साझेदारी पर निशाना साधते हुए कहा, अंकल-जी और नवीन-बाबू ने ओडिशा को 'पीएएएनएन' दिया है, अर्थात् पांडियन, अमित शाह, नरेन्द्र मोदी और नवीन पटनायक। उन्होंने आपका धन लूट लिया है। उन्होंने कहा, खनन घोटाले के जरिये नौ लाख करोड़ रुपए लूटे गए। जमीन हड़पकर 20,000 करोड़ रुपए लूटे गए। पौधारोपण घोटाला 15,000 करोड़ रुपए का था। जैसे ही यहां और दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनेगी, हम आपको आपका पैसा वापस देना शुरू कर देंगे।

गांधी ने दावा किया कि इसी तरह, तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) भाजपा के साथ काम करती थी और कांग्रेस पार्टी ने उसे सत्ता से बाहर कर दिया।

भारत को टी20 विश्व कप के लिए दो कलाई के स्पिनरों को चुनना चाहिए : इरफान पठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पूर्व आल राउंडर इरफान पठान ने कहा कि भारत को अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम में पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ दो कलाई के स्पिनरों को चुनना चाहिए।

टीम की घोषणा की तारीख एक मई है जिससे दो जून से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम के संयोजन को लेकर चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। पठान ने 'स्टार स्पोर्ट्स'

से कहा, आपको पांच अच्छे गेंदबाजों की जरूरत है जो निहायती जरूरी हैं। आपके विकेटकीपिंग विकल्प क्या हैं? जब आप रविंद्र जडेजा के आठवें नंबर और बतौर स्पिन आल राउंडर खेलने की बात कर रहे हो तो मैं कहूंगा कि दो कलाई के स्पिनरों को खिलाय जाए। उन्होंने कहा, मैं दो कलाई के स्पिनरों को खेलते हुए देखना चाहूंगा जो मेरी अंतिम एकादश में रवि बिश्नोई और कुलदीप यादव होंगे। अगर आप बिश्नोई के आंकड़े देखो तो जब वह खेला था तो वह काफी अच्छा था। पठान हालांकि राजस्थान रॉयल्स के युजवेंद्र चहल को विश्व कप के लिए ले जाने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा, हां, हम इस समय आईपीएल के प्रदर्शन की वजह से चहल के बारे में बात कर रहे हैं लेकिन क्षेत्ररक्षण हिस्से को मत भूलिए।

'लोग चाहे जो कहें, मैं अपने खेल को बेहतर जानता हूं'

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बीच के ओवरों में स्पिनरों के सामने उनके स्ट्राइक रेट पर लगातार हो रही चर्चा को खारिज करते हुए कहा कि उन पर सवाल उठाने वालों की तुलना में वह अपने खेल को बेहतर समझते हैं। कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ नौ विकेट से मिली जीत में 44 गेंद में नाबाद 70 रन बनाए। सुनील गावस्कर जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने हालांकि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 43 गेंद में 51 रन की

उनकी पारी में स्ट्राइक रेट पर सवाल उठाए थे। कोहली ने मैच के बाद कहा, पिछले 15 साल से खेलने का कोई कारण है। मैं सिर्फ अपना काम कर रहा हूं। मैं इसी तरह से खेलता हूं। लोग चाहे जो कहें लेकिन मैं अपने खेल को बखूबी जानता हूं।

नाडा पैनल के हरी झंडी देने के बाद इंडियन ग्रां प्री 1 में वापसी करेंगी हिमा दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की स्टार धाविका हिमा दास पिछले महीने सुनवाई के बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद बेंगलूरु में मंगलवार को इंडियन ग्रां प्री 1 में वापसी करेंगी। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी।

पिछले साल नाडा ने 12 महीने में तीन दफा अपने रहने के स्थान की जानकारी देने में विफलता के बाद 24 वर्षीय हिमा को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा 30 अप्रैल को होने वाले इंडियन ग्रां प्री 1 की महिलाओं की 200 मीटर रेस की प्रविष्टि सूची में हिमा का नाम शामिल है। भारतीय एथलेटिक्स टीम के एक सूत्र ने पीटीआई को गोपनीयता की शर्त पर कहा, पिछले महीने नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल की सुनवाई में उन्हें प्रतियोगित में हिस्सेदारी के लिए हरी झंडी मिल गई।

हालांकि सूत्र ने यह नहीं बताया कि नाडा के पैनल ने उन्हें फिर से प्रतिस्पर्धा करने की मंजूरी कैसे दी। हिमा ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 400 मीटर का व्यक्तिगत रजत पदक जीता था। वह जकार्ता में स्वर्ण पदक जीतने वाली महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर और रजत पदक जीतने वाली मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले चौकड़ी का हिस्सा थीं। चोट के कारण असम की इस धाविका को पिछले साल हांग्झोउ एशियाई खेलों में शामिल नहीं किया गया था।

सुविचार

जीवन में आपसे कौन मिलेगा, ये समय तय करेगा, जीवन में आप किस से मिलेंगे, ये आपका दिल तय करेगा, परंतु जीवन में आप किस-किस के दिल में बने रहेंगे, यह आपका व्यवहार तय करेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेवा से दिल जीता

एक पाकिस्तानी युवती की हृदय प्रत्यारोपण सर्जरी कर भारतीय चिकित्सकों ने मानवता की बड़ी मिसाल कायम की है। कराची में रहने वाले उसके परिवार के पास न तो पर्याप्त संसाधन थे और न ही उसे पाकिस्तान की सरकार से कोई उम्मीद थी। आखिरकार भारत सरकार उसके लिए मददगार बनकर आई और चेन्नई के अस्पताल में सर्जरी सफलतापूर्वक हो गई। भारत के खिलाफ दिन-रात जहर उगलने वाले पाकिस्तानी मीडिया से यह ख़बर गायब है। वह अब भी 'कश्मीर राग' अलापने में व्यस्त है, जबकि यूट्यूब चैनलों और सोशल मीडिया पर इसकी काफी चर्चा है। आम पाकिस्तानी को यह जानकर अचंभा हो रहा है कि भारत के चिकित्सकों ने कराची की युवती को नई ज़िंदगी दी! हालांकि भारत ने पहले भी कई बार ऐसी उदारता दिखाई है। पाकिस्तानियों ने अब तक अपनी पाठ्यपुस्तकों, टीवी चैनलों और धर्मगुरुओं से यही पढ़ा-सुना है कि भारत उनका सबसे बड़ा दुश्मन है, जिससे आपको हर हाल में नफरत ही करनी है। जबकि भारतीय चिकित्सकों ने जो काम किया है, वह तो 'इन्सानियत की ख़िदमत' वाला है। इस युवती को जल्द उपचार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने में भारत सरकार की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। उसने बड़ा दिल दिखाते हुए आपातकालीन वीजा दिया। अगर उसकी ओर से मामले को प्राथमिकता पर नहीं लिया जाता तो यह कार्य संभव नहीं होता। जब उस युवती ने कहा, 'मैं अब ठीक महसूस कर रही हूं ... मुझे वीजा देने के लिए मैं भारत सरकार को धन्यवाद देती हूं', तो पाकिस्तान की सरकार, फौज और कट्टरपंथियों पर घड़ों पानी पड़ गया! अगर ये लोग अपनी ऊर्जा और संसाधन पाकिस्तान के आम लोगों की भलाई पर खर्च करते तो उनका देश बहुत बेहतर स्थिति में होता।

आज आम पाकिस्तानी समझने लगा है और सोशल मीडिया पर बात करने लगा है कि उसकी दुर्दशा के लिए पाक सरकार, पाक फौज और कट्टरपंथी तत्त्व जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान की जनता जो चार-पांच गुना ज्यादा दाम पर आटा, दाल, चावल, सब्जियां खरीद रही है, वह इन्हीं लोगों की 'करामात' है। उसके पड़ोस में दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो जल्द तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाली है, जबकि वे (पाकिस्तानी हुक्मरान) एक-एक अरब डॉलर के लिए कभी अमेरिका, कभी चीन, तो कभी आईएमएफ और विश्व बैंक के दरवाजे पर माथा टेक रहे हैं। अगर पाकिस्तान आतंकवाद का रास्ता छोड़ दे तो उसे अन्य देशों/संस्थाओं के सामने हाथ ही न फैलाना पड़े। उसे बांग्लादेश से कुछ सीखना चाहिए, जो वर्ष 1971 में उससे आज़ाद हुआ था और आज उसकी अर्थव्यवस्था (तुलनात्मक रूप से) बहुत बेहतर स्थिति में है। उसका पासपोर्ट मजबूत है। डॉलर के मुकाबले उसकी मुद्रा काफी हद तक स्थिर बनी हुई है। हालांकि बांग्लादेश में कई समस्याएं हैं, लेकिन उन सबके बावजूद यह उम्मीद ज़िंदा है कि वह भविष्य में बेहतर होता जाएगा। यह इसलिए संभव हुआ, क्योंकि बांग्लादेश हथियारों की होड़ में शामिल नहीं हुआ। उसने आतंकवाद पर भी काफी नियंत्रण रखा। उसकी अदालतों ने वर्ष 1971 के कई 'अपराधियों' को कठोर दंड दिया। वहीं, पाकिस्तान आतंकवादियों को अपने 'नायक' मानता है। उसकी सुई कुछ खास बिंदुओं पर ही अटकी हुई है। उसने कश्मीर हड़पने के ख्वाब देखते हुए जो ज़िद पाली, उससे खुद की अर्थव्यवस्था का बेड़ा गर्क हो गया। अब हालत यह है कि न तो देश में कहीं शांति है और न कोई उम्मीद बची है। ऐसा कोई हफ्ता नहीं गुजरता, जब आतंकवादी हमले न होते हों। आम पाकिस्तानी किसी भी तरह से देश को छोड़कर भागना चाहता है। वहीं, पाक सरकार, फौज और कट्टरपंथी तत्त्व आम जनता को यह पट्टी पढ़ा रहे हैं कि भारत आपका दुश्मन है। वास्तव में पाकिस्तानी अपने दुश्मन खुद हैं। उन्होंने अक्ल और होश से काम लिया होता तो उनका देश दिवालिया होने के कगार पर नहीं होता। भारत ने सदैव मानवता की सेवा की है। वह भविष्य में भी इससे पीछे नहीं हटेगा। उसने 'सेवा से दिल जीता' है और जीतता रहेगा।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि भारत के राजा, महाराजा अत्याचारी थे, वे गरीबों की जमीन छीन लेते थे। कांग्रेस के शहजादे ने छत्रपति शिवाजी महाराज, रानी चिनम्मा का अपमान किया है। शहजादे का बयान तुष्टीकरण के लिए दिया गया बयान है।

नरेन्द्र मोदी

भारत में लोकतंत्र ना कभी खत्म होगा और ना ही खत्म होने की स्थिति आएगी। भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए हमेशा और हरसंभव प्रयास करेगी। जहां तक विपक्ष के आरोप की बात है तो उनको अपनी अस्तित्व का खतरा है, लोकतंत्र को कोई खतरा नहीं है।

-जेपी नड्डा

आज किन्नौर के रिकांगपिओ में जनसभा को संबोधित किया। धन्य है किन्नौर की जनता जिसने इन खूबसूरत वादियों की सुंदरता को और बढ़ा दिया। इस जनसभा को सफल बनाने वाले सभी समर्थकों व कार्यकर्ताओं का सादर आभार।

-कंगना रानौत

प्रेरक प्रसंग

आत्मचिंतन से कल्याण

सनक, सनंदन, सनातन और सनतकुमार ये चारों मुनि सनकादिक के नाम से विख्यात हुए। वे ब्रह्मा के मानसपुत्र थे। परम विरक्त होने के कारण देवता भी सनकादिक का बहुत आदर करते थे। एक दिन सनकादिकों ने संशयवश अपने पिता ब्रह्माजी से प्रश्न किया, 'सांसारिक विषय विपत्तियों के घर हैं। सांसारिक ऐश्वर्य और भोग-विलास मानव की अशांति व पतन के कारण हैं। यह जानते हुए भी मानव पशु के समान उनके भोग में क्यों लिप्त रहता है? उसे सांसारिक लगाव से मुक्त करने का क्या उपाय हो सकता है?' ब्रह्माजी ने भगवान विष्णु का स्मरण कर उनसे सनकादिकों की जिज्ञासा का समाधान करने की प्रार्थना की। श्रीविष्णु ने हंस के रूप में प्रकट होकर सनकादिकों की जिज्ञासा का विस्तार से समाधान करने के लिए कई कथाएं सुनाईं। उन्होंने बताया कि इंद्रियों के विषयों का चिंतन व विषयों में आसक्ति कभी नहीं करनी चाहिए। शरीर क्षणभंगुर है, उसे महत्व न देकर आत्मचिंतन करने में ही कल्याण है। भगवान का चिंतन करते रहने से ही सांसारिक मोह-ममता से बचा जा सकता है। सनकादिक ने उनसे प्राप्त आत्मज्ञान के माध्यम से असंख्य जीवों को सनमार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

सामयिक

विरासत कर कानून विवाद में बैकफुट पर कांग्रेस

डॉ. आशीष वशिष्ठ

मोबाइल : 94510 05200

कांग्रेस में कई ऐसे नेता हैं जो चुनाव आते ही पार्टी के लिए सेल्फ गोल करना शुरू कर देते हैं। ये नेता हमेशा पार्टी को अपने बयानों से मुश्किल में फंसाने का काम करते हैं। ऐसे ही कई बार अमरीका में बसे सत्य नारायण गंगा राम पित्रोदा यानी सैम पित्रोदा भी करते आए हैं। वह कई संवेदनशील और राष्ट्रीय घटनाओं पर अनाप-शनाप बोलते रहे हैं। वह 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' के अध्यक्ष हैं। जब भी केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की सरकार बनी है, उसमें उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। मनमोहन सरकार में ही वह 'राष्ट्रीय ज्ञान आयोग' के अध्यक्ष थे। वह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के सलाहकार थे। सैम पित्रोदा की 'विरासत कर कानून' वाली टिप्पणी एक बड़े विवाद में बदल चुकी है। इस टिप्पणी ने लोकसभा चुनावों के बीच कांग्रेस को बैकफुट पर धकेल दिया है।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले एक टीवी इंटरव्यू में पित्रोदा ने मध्यम वर्ग पर एक ऐसा बयान दिया था, जिससे पार्टी सकते में आ गई थी। उन्होंने कहा कि मिडिल क्लास को ज्यादा टैक्स देना चाहिए ताकि गरीब परिवारों के लिए न्यूनतम आय की गारंटी पूर हो सके और उन्हें स्वार्थी नहीं होना चाहिए। इस बयान के बाद कांग्रेस पार्टी पार्टी को सफाई देनी पड़ी कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो वो मिडिल क्लास लोगों पर कोई अतिरिक्त करों का बोझ नहीं डालेगी। वर्ष 2019 लोकसभा चुनावों के दौरान ही सिख दंगों पर एक बयान देकर भी पित्रोदा फंस गए थे। दरअसल, भाजपा ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए राजीव गांधी को मास्टरमाइंड कहा था। इसपर पूर्व प्रधानमंत्री के करीबी सहयोगी पित्रोदा ने कहा, ''अब क्या है 84 का? भाजपा ने 5 साल में क्या किया, उसकी बात करे। 84 हुआ तो हुआ, आपने क्या किया?'' पित्रोदा ने पाकिस्तान के बालाकोट में भारतीय सेना द्वारा की गई एयर स्ट्राइक का भी विरोध किया था। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस को तीखी आलोचना झेलनी पड़ी थी।

सैम ने अमेरिका के 6 राज्यों में लागू 'इंहेरिटेंस टैक्स' यानी विरासत कर का उल्लेख किया है कि अमेरिकी व्यक्ति की मौत के बाद उसकी संपत्ति का 45 फीसदी हिस्सा बच्चों, परिजनों को मिलता है। शेष 55 फीसदी सरकार ले लेती है। यह कानून एक निश्चित आय के वर्ग पर ही लागू होता है। अमेरिका के अलावा जर्मनी, स्पेन, फ्रांस, जापान और दक्षिण कोरिया आदि देशों में भी विरासत-कर की व्यवस्था है। वे देश जनता और समाज के प्रति व्यक्ति का दायित्व मानते हैं, लिहाजा उसकी संपत्ति में सामाजिक-सार्वजनिक हिस्सेदारी भी मानी जाती है। भारत में ऐसा कोई कानून नहीं है, लिहाजा सैम पित्रोदा का सुझाव था कि भारत में भी इस विषय पर बहस और चर्चा होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा-एनडीए ने तुरंत इस मुद्दे को भी लपक लिया। प्रधानमंत्री ने यहां तक टिप्पणी की कि कांग्रेस की लूट, ज़िंदगी के साथ भी, ज़िंदगी के बाद भी। निजी संपत्तियों को छीन कर उन्हें एक समुदाय विशेष में बांटने का मुद्दा बेहद उग्र हो रहा था, 'विरासत-कर' पर भी बवंडर छिड़ गया है। अब चुनाव की दिशा और लहर ही बदल गई हैं। भारत में 1953 से 1985 तक एक कानून लागू था-एस्टेट ड्यूटी एक्ट।' उसके तहत 20 लाख रुपए या अधिक की संपत्ति पर 85 फीसदी तक टैक्स देना पड़ता था। वह विरासत-कर का ही एक रूप था। 1985 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस कर को निरस्त किया, लेकिन कांग्रेस और भाजपा के वित्त मंत्री इस कर की पैरवी करते रहे। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2018 में कहा था कि विरासत-कर से विदेशों में अस्पतालों, विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों को वित्तीय अनुदान मिलते रहे हैं, लिहाजा इस कर पर विमर्श किया जाना चाहिए।

मौजूदा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी बजट के दौरान 'इंहेरिटेंस टैक्स' का उल्लेख किया था। फिलहाल भारत में इस कर-व्यवस्था के प्रावधान नहीं हैं। किसी पार्टी के चुनाव घोषणा-पत्र में भी यह एजेंडा घोषित नहीं किया गया है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस के मंसूबों पर सवाल करते हुए कहा है कि कांग्रेस सरकार आई, तो 'विरासत-कर' लगाएगी। आपके मकान-दुकान, खेत, जमीन और धन, सब कुछ छीन लिया जाएगा। आपके बच्चों और परिजनों का पैतृक संपत्ति' में हिस्सा आंशिक रह जाएगा। क्या आप ऐसा होने देंगे? हालांकि लोगों की संपत्ति के सर्वे वाले बयान पर राहुल गांधी ने अब यह कहा है कि वह जानना चाहते हैं कि देश में कितना अन्याय है। उन्होंने सफाई दी है कि उन्होंने ऐसा नहीं कहा कि वह 'वेल्थ सर्वे' कराएंगे।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा के बयान से कांग्रेस पार्टी ने किनारा कर लिया है। वहीं सैम पित्रोदा ने अपने बयान पर भी सफाई दी है। अपने बयान पर सैम पित्रोदा ने सफाई पेश करते हुए कहा कि मैंने टीवी पर अपनी बातचीत में सिर्फ एक उदाहरण के तौर पर अमेरिका के वारिस टैक्स का जिक्र किया था। क्या मैं सच बता भी नहीं सकता? मैंने ये कहा था कि इस तरह के मुद्दों पर लोगों को चर्चा और बहस करनी चाहिए। इसका किसी भी पार्टी, कांग्रेस समेत, की नीति से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, '55 फीसदी टैक्स लगाने की किसने बात की? भारत में ऐसा करने की बात किसने की? बीजेपी और मीडिया घबरा क्यों रहे हैं?' सैम पित्रोदा पार्टी का चुनाव घोषणा-पत्र लिखने वालों में एक रहे हैं। आजकल सैम पित्रोदा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के सलाहकार और रणनीतिकार हैं। यदि ऐसा शख्स, भारत के संदर्भ में, कोई बयान या परामर्श देता है, तो वह उसका 'निजी' कैसे हो सकता है? कांग्रेस अपना पल्ला कैसे झाड़ सकती है? भाजपा की तरफ से अमित शाह ने लोगों से पित्रोदा की टिप्पणी को गंभीरता से लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि उनकी छिपी हुई योजनाएं सामने आ गई हैं। लोगों को ध्यान रखना चाहिए और कांग्रेस को अपने घोषणापत्र से सर्वेक्षण का उल्लेख वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता अल्पसंख्यकों की नहीं है। हमारी प्राथमिकता गरीब, दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग हैं। असम के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता हिमंता बिस्वा सरमा ने पोस्ट के साथ साक्षात्कार का एक वीडियो साझा किया कि परिवार सलाहकार बीज फैला रहे हैं-उनका इरादा आपकी मेहनत की कमाई की 'संगठित लूट और वैध लूट' है। भाजपा के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने भी सैम पित्रोदा पर हमला बोलते हुए कहा कि, देश की विरासत पर कांग्रेस की कुदृष्टि है। बीजेपी नेता ने शक जताया कि सैम पित्रोदा का बयान कहीं भविष्य में हार्ड करेंसी के बेस को ध्वस्त करने का बड़े राजनीतिक षडयंत्र का हिस्सा तो नहीं हैं।

कानूनन यह संभव नहीं है। उद्योगपतियों पर 'वेल्थ टैक्स' 2015 के बजट में ही हटा लिया गया था। उसके स्थान पर 'सुपर रिच' नामक अधिभार उन लोगों पर लगाया गया, जिनकी सालाना आमदनी एक करोड़ रुपए से ज्यादा है। दरअसल भारत अमेरिका नहीं हो सकता। यदि एक नागरिक जीवन-भर करों का भुगतान करता है और फिर जीवन के अंत तक कुछ अर्जित कर पाता है, तो वह उसके अपने परिवार के लिए होना चाहिए। समाज और देश को तो उसने जीवन-भर दिया ही है। राजनीतिक दलों और नेताओं को इस तरह के बयानों से परहेज करना चाहिए। ऐसे बयानों से समाज में असंतोष फैलने के साथ व्यवस्था के प्रति नाराजगी भी बढ़ती है। जो किसी भी राष्ट्र के विकास और शांति के लिए भविष्य में बड़ी बाधा बनती हे।

चिंतन

जंगलों में बढ़ रही हैं आग की घटनाएं

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

गर्मी के शुरू होते ही जंगलों में आग लगने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। उत्तराखंड के नैनीताल जिले के जंगलों में भयंकर आग लग गई है, इसके अलावा उत्तराखंड और हिमाचल के अनेक स्थानों पर जंगलों में आग लगने की खबरे मिल रही है। नैनीताल में विकराल और बेकाबू आग पर नियंत्रण के लिए सेना के हेलीकॉप्टरों की सेवाएं ली गई है। नैनीताल से लगे पाइंस, भूमियाधार, ज्योलीकोट, नारायणनगर, भवाली, रामगढ़, मुक्तेश्वर आदि के जंगल इन दिनों बुरी तरह से धधक रहे हैं। उत्तराखंड में 1 नवंबर 2023 से अब तक आग लगने की 575 घटनाएं सामने आई हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार हिमाचल प्रदेश में 16 अक्टूबर 2023 से 16 जनवरी 2024 तक के समय में वनाग्नि की 2050 घटनाएं रिकॉर्ड की गई हैं। पिछले साल के इन्हीं महीनों में महज 296 घटनाएं हुई थी। यानी कि इस साल लगभग 7 गुणा वृद्धि दर्ज की गई है। पेड़ पौधों के साथ जंगली जानवर मौत के शिकार हुए वहां भूमि भी बंजर हो गयी।

काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर के हालिया जारी एक अध्ययन में बताया गया कि पिछले दो दशकों में जंगलों में आग के हादसों में दस गुना वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार जंगल में आग लगने के कई कारण होते हैं। इनमें गर्मी के अलावा ईंधन और ऑक्सीजन मुख्य कारक है। जंगल में पेड़ों के सूखे पत्ते और टहनियां ईंधन का काम करते हैं। एक छोटी सी चिंगारी हीट का काम करती है। ऐसे में अगर हवा तेज चल रही हो तो एक जगह लगी आग पूरे जंगल को तबाह करने के लिए काफी है। अगर गर्मियों का मौसम है, तो सूखा पड़ने पर ट्रेन के पहिए से निकली एक चिंगारी भी आग लगा सकती है। इसके अलावा कभी-कभी आग प्राकृतिक रूप से भी लग जाती है। ये आग ज्यादा गर्मी की वजह से या फिर बिजली कड़कने से लगती है। जंगलों में आग लगने की ज्यादातर घटनाएं इंसानों के कारण होती हैं, जैसे आगजनी, कैम्पफायर, बिना बुझी सिगरेट फेंकना, जलता हुआ कचरा छोड़ना, माचिस या ज्वलनशील चीजों से खेलना आदि। जंगलों में आग लगने के मुख्य कारण बारिश का कम होना, सूखे की स्थिति, गर्म हवा, ज्यादा तापमान भी हो सकते हैं। इन सभी कारणों से जंगलों में आग लग सकती है।

दरअसल जंगलों की आग से न केवल प्रकृति झुलसती है, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारे व्यवहार पर भी सवाल खड़ा होता है। गर्मियों के मौसम में जंगलों में आग लगने की घटनाएं अक्सर प्रकाश में आती रहती हैं। जंगलों में लगी आग से जान-माल के साथ-साथ पर्यावरण को भारी नुकसान होता है। पेड़-पौधों के साथ-साथ जीव-जन्तुओं की विभिन्न प्रजातियां जलकर राख हो जाती हैं। जंगलों में विभिन्न पेड़-पौधे और जीव-जन्तु मिलकर समृद्ध जैवविविधता की रचना करते हैं। पहाड़ों की यह समृद्ध जैवविविधता ही मैदानों के मौसम पर अपना प्रभाव डालती हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ऐसी घटनाओं के इतिहास को देखते हुए भी कोई ठोस योजना नहीं बनाई जाती है।

जंगलों में यदि आग विकराल रूप धारण कर लेती है, तो उसे बुझाना आसान नहीं होता है। कई बार जंगल की आग के प्रति स्थानीय लोग भी उदासीन रहते हैं। दरअसल हमारे देश में ऐसी आग बुझाने की न तो कोई उन्नत तकनीक है और न ही कोई स्पष्ट कार्ययोजना। विदेशों में जंगल की आग बुझाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य होता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने जंगलों की आग पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि पर्यावरण मंत्रालय और अन्य प्राधिकरण वन क्षेत्र में आग लगने की घटना को हल्के में लेते हैं। जब भी ऐसी घटनाएं घटती हैं, तो किसी ठोस नीति की आवश्यकता महसूस की जाती है। लेकिन बाद में सब कुछ भुला दिया जाता है।

भारतीय वन सर्वेक्षण के अनुसार 1 जनवरी से 31 मार्च 2022 तक देश में एक लाख 36 हज़ार से अधिक जगहों से आग फैली जिसने मीलों तक जैव-विविधता से भरपूर जंगलों को जलाकर राख कर दिया। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर के एक अध्ययन में बताया गया कि पिछले दो दशकों में जंगलों में आग के हादसों में दस गुना वृद्धि हुई है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने जंगलों की आग पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि पर्यावरण मंत्रालय और अन्य प्राधिकरण वन क्षेत्र में आग लगने की घटना को हल्के में लेते हैं। जब भी ऐसी घटनाएं घटती हैं, तो किसी ठोस नीति की आवश्यकता महसूस की जाती है। लेकिन बाद में सब कुछ भुला दिया जाता है।

नजरिया

तर्कहीन बयानों से जूझती चुनावी राजनीति

सुरेश हिंदुस्तानी

मोबाइल : 9770015780

भारत में एक समय ऐसा भी था ज़ब राजनीति से आम जनमानस का विश्वास समाप्त होता जा रहा था। राजनीतिक दलों से जो अपेक्षा थी, सब जनता की इन अपेक्षाओं पर पानी फेरते दिखाई दे रहे थे। उस समय देश की यह अवधारणा बन गई थी कि अब भारत की राजनीति ऐसे ही चलती रहेगी। लेकिन 2014 के बाद देश ने एक नई राजनीति का साक्षात्कार किया। एक ऐसी राजनीति जिसमें सपने भी थे और एक उम्मीद भी थी। आज इस समय को दस वर्ष का समय व्यतीत हो गया है। सपने पूरे हुए या नहीं, यह तो परीक्षण का विषय है, लेकिन आज की राजनीति बदली हुई दिखाई देती है, यह अवश्य ही कहा जा सकता है। लेकिन आज भी जिस प्रकार से सत्ता प्राप्त करने की लालसा लेकर राजनीतिक दल राजनीति कर रहे हैं, वह प्रथम दृष्टया यही परिलक्षित कर रहे हैं कि राजनीतिक दलों के पास अपने कोई स्थायी सिद्धांत नहीं हैं। विपक्ष के दल वर्तमान केंद्र सरकार को घेरने के लिए कई प्रकार के राजनीतिक दांव पेच खेल रहे हैं, वहीं सत्ता धारी दल भाजपा भी किसी भी तरीके से पीछे नहीं कही जा सकती।

इस प्रकार की राजनीति के चलते देश का आम जनमानस निश्चित रूप से भ्रम की अवस्था में है। सारे दल अन्य दलों से अपने आपको बेहतर बताने की राजनीति कर रहा है। इसके लिए कुछ राजनीतिक दल अपने हिसाब से तर्क भी दे रहे हैं। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि इस बार विपक्षी दलों के राजनेता सधे हुए क़दमों से अपनी पारी को अंजाम दे रहे हैं। क्योंकि पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान जिस प्रकार से कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सार्वजनिक रूप से चोर कहने का दुस्साहस किया गया, उससे कांग्रेस की फ़जीहत हो गई थी, इतना ही नहीं राहुल गाँधी को माफ़ी भी मांगनी पड़ी। इस बार परिदृश्य बदला हुआ है। विपक्ष के नेता सरकार को लक्ष्य करके आलोचना कर रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि इन आलोचनाओं में भी वह धार नहीं है कि वह अकेले दम पर सरकार बनाने का सामर्थ्य पैदा कर सकें।

वर्तमान लोकसभा के प्रचार में विपक्षी दलों की ओर से जिस प्रकार की सक्रियता दिखाई जा रही है, उससे कमोवेश ऐसा ही लगता है कि विपक्ष ने इस चुनाव को आरपार की लड़ाई बना दिया है। यह सभी जानते हैं कि मुख्य विपक्ष की भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पार्टी लम्बे समय तक सत्ता का सुख भोगा है, इसलिए यह कहा जाना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस के नेताओं को सत्ता में बने रहने की आदत सी हो गई है। उनके बयानों में भी सत्ता प्राप्त करने की तड़प दिखाई देती है। यही तड़प चुनावी बयानों में पैनापन ला रही है।

देश में अब दो चरणों के मतदान संपन्न हो चुके हैं, बचे हुए पांच चरणों के मतदान के लिए जोर आजमाईश की जा रही है। चुनावी रैलियों में राजनेताओं के बयानों की व्याख्या निकालने का क्रम भी चल रहा है। किसी बड़े मुद्दे पर समाचार चैनलों पर बहस भी होती है। इन बहस में सभी नेता अपने हिसाब से अर्थ निकाल कर बहस करते हैं। कोई किसी के कम नहीं दिखता, लेकिन इन बहस में लगभग विवाद जैसी स्थिति बनती दिखाई देती है। एक दूसरे से लड़ने की मुद्रा में आने वाले यह राजनेता शायद इस बात को भूल जाते हैं कि इसे जनता भी देख रही है और आज की जनता यह भी जानती है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। इसके बाद भी आम समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो इन चर्चाओं को सुनकर भ्रमित भी होते होंगे।

राजनेताओं द्वारा दावे के साथ कही जाने वाली किस बात को जनता सही माने, आज यह सबसे बड़ी चिंता है। चैनलों पर जो बहस होती है, उसमें अपनी पार्टी के विचार को कम रखा जाता है, सामने वाले की बात को जोरदार तरीके से नकारने की ही राजनीति की जाती है। विपक्षी नेताओं को इन्हीं बहसों के दौरान एंकरों पर दबाव बनाते हुए भी देखा और सुना जा सकता है। यह बहस का सारा खेल जनता को गुमराह करने वाला होता है। इसमें पूरी तरह से आम जन के मुद्दों का अभाव ही रहता है। इस कारण यह आसानी से कहा जा सकता है कि आज की राजनीति केवल विरोध करने तक ही सीमित हो गई है, इसमें रचनात्मक विरोध समाप्त होता जा रहा है। रचनात्मक विरोध का आशय यही है कि सामने वाले के अच्छे कार्यों का समर्थन भी किया जाए। लेकिन आज की राजनीति में ऐसा होना असंभव सा ही लगता है। ऐसा पिछले दस वर्षों में कुछ ज्यादा ही होता जा रहा है। जहां तक चुनावी मुद्दों की बात है तो विपक्ष की ओर से कोई ख़ास मुद्दे नहीं उठाए जा रहे हैं। जिस महंगाई और बेरोजगारी को विपक्ष मुद्दा बनाकर राजनीति कर रहा है, वह कोई नया नहीं है। यह दोनों ही मुद्दे लगभग हर चुनाव में उठे हैं, और हो सकता है आगे भी उठते रहेंगे, क्योंकि बेरोजगारी का मुद्दा तभी तक होता है ज़ब तक व्यक्ति केवल नौकरी की तलाश में बैठा रहता है। सरकार सबको नौकरी दे भी नहीं सकती, फिर चाहे कोई भी सरकार क्यों न हो। हाँ इस चुनाव में पिछली बार की तरह हिंदुत्व का मुद्दा भी सामने आया है। हिंदुत्व राजनीति का विषय नहीं हो सकता, यह तो असली भारत की आत्मा है।

यह बात सही है कि आज की राजनीति और दस वर्ष पहले की राजनीति में ज़मीन आसमान का अंतर है। भारतीय जनता पार्टी जिस प्रकार की राजनीति करती हुई दिखाई दे रही है, उसका अंदाज निराला है, वहीं कांग्रेस के नेताओं के बयानों से लगता है कि वे ही शासन करने के लिए आए हैं, जबकि उनको यह मालूम होना चाहिए कि वह विपक्षी की भूमिका में हैं। इसके अनुसार ही उनके कार्यक्रम होने चाहिए, लेकिन कभी कभी विपक्षी नेताओं का व्यवहार ऐसा होता है, जैसे वे सरकार से बड़े हैं। विपक्ष की इसे एक बड़ी कमजोरी माना जा सकता है, क्योंकि सामने वाली पार्टी ने सत्ता पर कब्ज़ा नहीं किया, बल्कि लोकतान्त्रिक तरीके से चुनकर आई है। विरोधी पक्ष को यह भी समझना चाहिए कि भारत में लोकतंत्र तभी तक जीवित है, ज़ब तक जनता की राय को महत्व दिया जाएगा। जनता के सही बात रखना चाहिए, ऐसी कोई बात नहीं आना चाहिए जिससे जनता भ्रमित हो। अन्यथा यह लोकतंत्र की भी हार होगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाकिस्तान में हिंगलाज माता मंदिर तीर्थयात्रा संपन्न

हिंगलाज। पाकिस्तान में हिंगलाज मंदिर तीर्थयात्रा रविवार को संपन्न हो गई। आयोजकों ने कहा कि शुक्रवार को शुरू हुई तीर्थयात्रा में एक लाख से अधिक हिंदुओं ने हिस्सा लिया। इस तीर्थयात्रा के दौरान हिंदू श्रद्धालु सैकड़ों सीढ़ियां चढ़कर एक पर्वत के शिखर तक पहुंचते हैं, जहां हिंगलाज माता मंदिर स्थित है। वहां पहुंचकर वे प्राचीन मंदिर के दर्शन करते हैं और तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हैं।

मुस्लिम-बहुल पाकिस्तान में 44 लाख हिंदू रहते हैं, जो आबादी का केवल 2.14 प्रतिशत हिस्सा है। हिंगलाज माता मंदिर उन कुछेक हिंदू धार्मिक स्थलों में से एक है, जहां हर साल बड़ी संख्या में तीर्थयात्री जुटते हैं।

हिंदुओं का मानना है कि हिंगलाज माता मंदिर वह स्थान है जहां धरती पर माता सती के अवशेष गिरे थे। मंदिर के सबसे वरिष्ठ पुजारी महाराज गोपाल ने कहा, यह हिंदू धर्म में सबसे पवित्र तीर्थयात्रा है। जो भी इन तीन दिन के दौरान मंदिर जाकर पूजा-अर्चना करता है वह सभी पापों से मुक्त हो जाता है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रियंका पर साधा निशाना, 'नकली' गांधी बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर प्रहार करते हुए दावा किया कि वह नकली गांधी हैं और वोट पाने के लिए इस 'उपनाम' का इस्तेमाल कर रही हैं। मुख्यमंत्री गुना लोकसभा क्षेत्र के म्याना कस्बे में शनिवार को एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अप्रैल को राजस्थान में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि कांग्रेस की योजना लोगों की गाढ़ी कमाई और मूल्यवान चीजों को घुसपैठियों और उन लोगों को देने की है, जिनकी अधिक संतान हैं। उन्होंने कहा था कि यह पार्टी सत्ता में आने पर माताओं और बहनों का सोना चुरा लेगी।

बाद में, प्रियंका ने 'सोना' और 'मंगलसूत्र' संबंधी मोदी की टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना करते हुए कहा था कि उनकी मां सोनिया गांधी ने देश के लिए अपना मंगलसूत्र तक कुर्बान कर दिया। कांग्रेस महासचिव पर निशाना साधते हुए यादव ने कहा कि अपनी प्रपौत्री के मंगलसूत्र नहीं पहनने को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की आत्मा आंसू बहा रही होगी। मुख्यमंत्री ने गांधी उपनाम का इस्तेमाल करने को लेकर भी नेहरू-गांधी परिवार पर निशाना साधा।

हमारे यहां, बेटी के विदा होते ही वहां (उसके ससुराल) का सरनेम (उपनाम) लगा देते हैं लेकिन ये वोट के भूखे लोग वोट के चक्कर में अपना सरनेम भूल रहे हैं और आज भी गांधी उपनाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, प्रियंका भी गांधी हो गईं।

उन्होंने कहा, हमारे यहां, बेटी के विदा होते ही वहां (उसके ससुराल) का सरनेम (उपनाम) लगा देते हैं लेकिन ये वोट के भूखे लोग वोट के चक्कर में अपना सरनेम भूल रहे हैं और आज भी गांधी उपनाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, प्रियंका भी गांधी हो गईं। उनका उपनाम कहां से आया? वे असली गांधी के परिवार के लोग आज न जाने कहां होंगे? ये नकली गांधी लोग गांधी के नाम पर वोट ले रहे हैं। यादव के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के मीडिया सलाहकार के. के. मिश्रा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रियंका गांधी ने दूसरे धर्म में शादी की है।

उन्होंने कहा, क्या यह असंवैधानिक है या फिर कोई अपराध है? यादव को इस बात पर भी आपत्ति है कि प्रियंका जी शादी के बाद गांधी उपनाम क्यों लगाती हैं? मुख्यमंत्री, कृपया उनका 'एक्स' अकाउंट देखिये, उनके उपनाम के बाद वाड्रा भी लिखा है।

बैठक

किन्नौर जिले के रिकांग पियो में लोकसभा चुनाव-2024 के लिए एक सार्वजनिक बैठक में हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के साथ भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत।

टेस्ला के मालिक एलन मस्क अचानक चीन पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग। अरबपति कारोबारी एलन मस्क रविवार को अचानक बीजिंग पहुंच गए। इस बीच चीन के बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में उनके द्वारा टेस्ला की स्वचालित ड्राइविंग तकनीक का अनावरण करने की भी अटकलें हैं। मस्क ने रविवार को चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की और अपनी वाहन कंपनी टेस्ला के लिए भविष्य की विस्तार योजनाओं पर चर्चा की। ली ने मस्क से कहा कि चीन का विशाल बाजार विदेशी वित्तपोषित उद्यमों के लिए हमेशा खुला रहेगा।

उन्होंने कहा कि चीन विदेशी वित्तपोषित उद्यमों को बेहतर कारोबारी माहौल और मजबूत समर्थन प्रदान करने के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने और सेवाओं में सुधार करने पर कड़ी मेहनत करेगा ताकि सभी देशों की कंपनियां शांत मन से चीन में निवेश कर सकें। ली ने कहा कि चीन में टेस्ला के विकास को चीन-अमेरिका आर्थिक सहयोग का एक सफल उदाहरण कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि तथ्यों ने साबित कर दिया है कि समान सहयोग और पारस्परिक लाभ दोनों देशों के सर्वोत्तम हित में हैं।

चीन के प्रधानमंत्री ने कहा कि उम्मीद है कि अमेरिका और चीन बीच में मिलेंगे और दोनों राष्ट्राध्यक्षों के रणनीतिक मार्गदर्शन में द्विपक्षीय संबंधों के स्थिर विकास को बढ़ावा देंगे।

आधिकारिक मीडिया के अनुसार, मस्क ने कहा कि टेस्ला की शंघाई गीगाफैक्ट्री कंपनी की सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला कारखाना है। उन्होंने हर हालत में और ज्यादा मुनाफा प्राप्त करने के लिए चीन के साथ सहयोग को गहरा करने की इच्छा जताई। चीन के सरकारी प्रसारक सीटीजीएन के अनुसार, स्पेसएक्स और टेस्ला के प्रमुख ने 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए चीन परिषद' (सीसीपीआईटी) के निमंत्रण पर चीन की यात्रा की। इस दौरान उन्होंने चीन के साथ आगे के सहयोग पर चर्चा करने के लिए सीसीपीआईटी अध्यक्ष रेन होंगबिन से मुलाकात की। हांगकांग के समाचार पत्र साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने लिखा कि मस्क के 'स्टेट काउंसिल' में वरिष्ठ चीनी अधिकारियों और बीजिंग में 'पुराने दोस्तों' से मिलने की संभावना है। मस्क ने शंघाई में सात अरब डॉलर के निवेश से एक ईवी संयंत्र स्थापित किया था, जिसके बाद से उनकी टेस्ला ईवी चीन में लोकप्रिय हो गई है। इस संयंत्र में उत्पादन 2020 में शुरू हो गया था।

मस्क ने हाल ही में भारत की प्रस्तावित यात्रा टाल दी थी। भारत में वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर देश में टेस्ला का कारखाना शुरू करने की योजनाओं पर बात करने वाले थे।

चुनावी रैली

गुवाहाटी में रविवार को लोकसभा चुनाव-2024 के लिए पार्टी उम्मीदवार बिजुली कलिता मेधी द्वारा संबोधित एक चुनावी रैली में भाजपा समर्थक।

बचपन से ही डांस मेरी खुशी की बड़ी वजह : आयुषी खुराना

मुंबई/एजेन्सी

टीवी शो 'आंगन अपनों का' में पल्लवी शर्मा का रोल निभाने वाली एक्ट्रेस आयुषी खुराना ने खुलासा किया है कि डांस से उन्हें बेहद खुशी मिलती है। इंटरनेशनल डांस डे पर एक्ट्रेस ने बताया कि वह बचपन से ही डांस से जुड़ी रही हैं। वह शुरू में कोरियोग्राफर बनना चाहती थीं, लेकिन किस्मत ने उन्हें एक्ट्रेस बना दिया। अपनी जर्नी के बारे में बताते हुए, एक्ट्रेस ने कहा, डांस मेरी खुशी है। जब मैं छोटी थी, तब से डांस मेरी खुशी की वजह रही है। ट्रॉफी जीतने से लेकर स्कूल इवेंट में परफॉर्म करने तक, डांस मेरा साथी रहा है।''

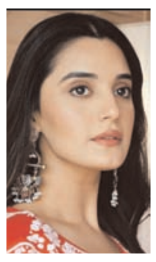

आयुषी ने कहा, मैं कोरियोग्राफर नहीं बन सकी, लेकिन डांस के प्रति मेरा जुनून अटूट है। आज इंटरनेशनल डांस डे पर, मैं इससे मिलने वाली असीम खुशियों और इससे पैदा हुए सपनों को सेलिब्रेट करती हूं।

पाकिस्तान के सत्तारूढ़ गठबंधन ने इमरान खान की पार्टी पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर। पाकिस्तान की मौजूदा गठबंधन सरकार के नेताओं ने केवल सेना के साथ बातचीत की मांग करने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि अगर वह सेना को राजनीति में शामिल करना चाहते हैं तो उन्हें नागरिक अधिकारों की सर्वोच्चता को लेकर शिकायत नहीं करनी चाहिए दरअसल, इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता शहरयार आफरीदी ने गठबंधन सरकार से बातचीत के प्रस्तावों को लेकर शुक्रवार को दावा किया कि पार्टी बातचीत करेगी, लेकिन बिलावल भुट्टो-जरदारी के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) या सत्तारूढ़ पीएमएल-एन के साथ नहीं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता ख्वाजा साद रफीक ने कहा कि 71 वर्षीय खान की पीटीआई अगर सैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत करना चाहती है, तो उसे नागरिक अधिकारों की सर्वोच्चता को लेकर शिकायत नहीं करनी चाहिए।

रफीक ने कहा, इमरान खान का व्यवहार यही रहा है कि उनका एक हाथ उनकी गर्दन पर और दूसरा उनके पैरों पर होता है। वह बाहर चिल्लाते हैं कि वह स्वतंत्रता के पैरोकार हैं और दरवाजे के पीछे बातचीत की भीख मांगते हैं।

रफीक ने कहा, इमरान खान का व्यवहार यही रहा है कि उनका एक हाथ उनकी गर्दन पर और दूसरा उनके पैरों पर होता है। वह बाहर चिल्लाते हैं कि वह स्वतंत्रता के पैरोकार हैं और दरवाजे के पीछे बातचीत की भीख मांगते हैं। उन्होंने कहा कि पीटीआई नेता के इस बयान से उनका रुख पूरी तरह से स्पष्ट हो गया है। पीएमएल-एन नेता ने कहा कि राजनेताओं को आज नहीं तो कल एक-दूसरे से संवाद करना ही होगा। इस बीच, टेलीविजन चैनल जियो न्यूज के एक कार्यक्रम के दौरान, पीएमएल-एन नेता राणा सनाउल्लाह ने कहा कि पीटीआई की सोच राजनीतिक नहीं थी क्योंकि इसका उद्देश्य सेना के माध्यम से सत्ता पर कब्जा करना था।

अदनान सामी के गाने 'तेरा चेहरा' पर आम्रपाली दुबे ने बनाई रील

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी स्टार आम्रपाली दुबे ने म्यूजिक कंपोजर अदनान सामी के गाने 'तेरा चेहरा' पर रील बनायी और इसे शेयर करते हुए गाने के प्रति अपनी दीवानगी को साझा किया। आम्रपाली ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह एक्ट्रेस रानी मुखर्जी पर फिल्माए गए गाने 'तेरा चेहरा' पर लिप-सिंक करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ''मुझे याद है कि जब यह गाना रिलीज हुआ था, तब इसका क्रेज बहुत ज्यादा था, और इसलिए जैसे ही मैंने इसे इंस्टा पर सुना, मैं इस

ट्रैक पर रील बनाने से खुद को रोक नहीं सकी... यह लंबा वीडियो है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप इसे एन्जॉय करेंगे।''

आम्रपाली जल्द ही प्रदीप पांडे और संचिता बनर्जी स्टारर अपकमिंग फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' में दिखाई देंगी। फिल्म का निर्देशन प्रेमांशु सिंह ने किया है। आम्रपाली ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2008 में शो 'सात फेरे: सलोनी का सफर' से की थी। भोजपुरी सिनेमा में उनकी एंट्री 2014 की फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' से हुई। तब से, वह 'निरहुआ हिंदुस्तानी 2 और 3', 'बॉर्डर', 'निरहुआ चलल लंदन' और 'शेर सिंह' में नजर आ चुकी हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में चलता है फेवरेटिज्म : परिणीति चोपड़ा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा का कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म वास्तविक हो भी सकता है और नहीं भी, लेकिन यहां फेवरेटिज्म जरूर चलता है। परिणीति ने नेपोटिज्म और फेवरेटिज्म पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि लोग नेपोटिज्म की बात करते हैं लेकिन उन लोगों पर और ज्यादा दबाव होता है जिसका कोई इंडस्ट्री में होता है। उनकी वजह से आपको पहला मौका मिल जाता है लेकिन लोग स्टार का बच्चा सुपरस्टार की बहन कहते हैं। यदि आप काम अच्छा नहीं करेंगे तो दर्शक रिजेक्ट कर देंगे।उन्होंने कहा कि यदि मेरी बहन (प्रियंका चोपड़ा) उस दिन यशराज फिल्म्स में शूटिंग न कर रही होती, जिस दिन मैं वहां मार्केटिंग की नौकरी पाने के लिए गई थी, तो वह मुझे नहीं मिलती। मेरे घर से कोई एक्टर हैं, इसलिए मैं किसी फिल्म के सेट पर जा पाई, लेकिन बहन के स्टार होने से मुझे कोई फायदा नहीं हुआ, नहीं तो मेरी भी फिल्में चलती।

रायचूर के हनुमान मंदिर पहुंचे किच्चा सुदीप

मुंबई/एजेन्सी

कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप रायचूर के गांधी सर्कल स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे और विशेष पूजा-अर्चना की, जिसकी तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। दरअसल, जीर्णोद्धार के बाद हाल ही में मंदिर का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर एक्टर सुदीप अपनी पत्नी प्रिया सुदीप के साथ मंदिर पहुंचकर हवन-पूजन किया। लुक की बात करें तो सुदीप ने ग्लोडन कलर का कुर्ता पहना हुआ था, वहीं उनकी पत्नी ने ग्रीन ब्लाउज के साथ पर्पल कलर की साड़ी कैरी की हुई थी, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। किच्चा के आने की खबर सुन उनके फैंस मंदिर के आसपास इकट्ठे हो गए और उनकी एक झलक के लिए कड़ी धूप में इंतजार करते दिखे।

एक्टर ने अपने काम से फैनबेस बड़ा बनाया हुआ है। उन्होंने तमिल, तेलुगू और हिंदी सिनेमा से जबरदस्त सुर्खियां बटोरी है। इसके अलावा, वह रियलिटी शो 'बिग बॉस' कन्नड़ भी होस्ट करते हैं। टीवी सीरियल 'प्रेमा कादंबरी' से करियर की शुरूआत करने वाले किच्चा सुदीप ने साल 1997 में 'थायवा' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। लेकिन, लोकप्रियता उन्हें फिल्म 'मक्खी' से हासिल हुई। किच्चा जितने बेहतरीन एक्टर हैं, उतने शानदार सिंगर भी हैं। उन्होंने 20 फिल्मों में बतौर सिंगर अपनी आवाज दी है।

फिल्म 'रामायण' के लिए कॉस्ट्यूम डिजाइन कर रहे रिपल और हरप्रीत

मुंबई/एजेन्सी

डिजाइनर जोड़ी रिंपल और हरप्रीत ने बताया कि वे नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' के लिए कॉस्ट्यूम तैयार कर रहे हैं। हरप्रीत ने बताया, अपकमिंग फिल्म 'रामायण' के लिए कॉस्ट्यूम डिजाइन करने का काम सौंपे जाने पर हम बेहद उत्साहित और सम्मानित महसूस कर रहे हैं। रिम्पल ने कहा, यह अवसर एक आशीर्वाद की तरह लगता है, क्योंकि रामायण हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत में अद्वितीय महत्व रखती है। रिंपल और हरप्रीत इससे पहले 'पद्मावत', 'हाउसफुल 4' और संजय लीला भंसाली की अपकमिंग सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' के लिए कॉस्ट्यूम तैयार कर चुके हैं। हरप्रीत ने इसे बड़ी जिम्मेदारी करार देते हुए कहा कि रामायण न केवल मूल्यों और गुणों का सार प्रस्तुत करती है, बल्कि पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक के रूप में भी काम करती है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम और साई पल्लवी सीता की भूमिका में हैं। इनके अलावा, लारा दत्ता ने कैकेयी का किरदार निभाया है, और अरुण गोविल ने राजा दशरथ का किरदार निभाया है।

फिल्म 'खेल खेल में' 6 सितंबर को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में 06 सितंबर को रिलीज होगी। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित 'खेल खेल में' में अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जयसवाल और फरदीन खान की मुख्य भूमिका है।यह फिल्म 06 सितंबर 2024 को स्क्रीन पर रिलीज होने के लिए तैयार है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित, खेल खेल में ,गुलशन कुमार, टी-सीरीज़ और वाकाऊ फिल्म्स और केकेएम फिल्म प्रोडक्शन द्वारा प्रस्तुत है।यह फिल्म 06 सितंबर 2024 को देशभर में रिलीज होगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

‘शुरु से ही बच्चों की नींव दृढ रखें’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा आयोजित गुड पेरेंटिंग कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला का प्रारम्भ नमस्कार महामंत्र के द्वारा किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने आए हुए सभी का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की परामर्शिका लता जैन ने हमें आत्मा के सिंचन का मार्ग प्रेक्षा ध्यान के बारे में बताते हुए ’अर्हम ध्वनि ’के सुंदर प्रयोग करवाये। उपासिका उर्मिला सुराणा ने महाप्राण ध्वनि के प्रयोग से ‘मन को कैसे शांत किया जाता है’ बताते हुए प्रयोग करवाए।

इस कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक बजरंग जैन ने विषय पर अपनी प्रस्तुति करते हुए कहा कि हमें अपने बच्चों के साथ दोस्त बनकर रहना चाहिए और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करते रहे। बच्चों को बात-बात पर उन्हें टोका टोकी ना करें साथ ही उनके खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। बच्चों को समय समय पर बादाम, काली मिर्च और ब्राह्मी का सेवन जरूर करवाते रहना चाहिए। जिससे उन्हें पर्याप्त नींद मिलती है। बच्चों को प्रारंभ से ही पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करते रहना चाहिए। एक साथ परीक्षा के समय दबाव नहीं डालना चाहिए। उनमें सुबह जल्दी उठकर पढ़ने की आदत डालें। इस तरह से अनेक सूत्रों के माध्यम से बच्चों का सही भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। कार्यशाला में सहमंत्री वीणा पोरवाल, प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं। संगठन मंत्री पवन संचेती ने संचालन किया। आभार ज्ञापन ज्योति डूंगरवाल ने किया।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल तथा जैन रिलीफ फाऊन्डेशन के द्वारा अपोलो हॉस्पिटल के डॉक्टर्स की टीम द्वारा निशुल्क मेडिकल हैल्थ चैकअप शिविर आयोजित किया गया।

नि:शुल्क मेडिकल शिविर में 116 सदस्यों ने करवाई जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल तथा जैन रिलीफ फाऊन्डेशन के द्वारा अपोलो हॉस्पिटल के डॉक्टर्स की टीम द्वारा निशुल्क मेडिकल हैल्थ चैकअप शिविर आयोजित किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने डाक्टरों की टीम का स्वागत करते हुए कहा कि आज पूरे देश भर में प्रसिद्ध अपोलो हॉस्पिटल द्वारा यहां लगाए गए स्वास्थ्य शिविर से काफी लोगों को फायदा पहुंचेगा जो अस्पताल जाने में हिचकिचाहट महसूस करते हैं।

मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने शिविर की जानकारी देते हुए कहा कि हार्ट चैकअप, ईसीजी, बॉडी चैकअप, जनरल फिजिशियन्स द्वारा कन्सल्टेंसी आदि सेवाओं का 116 व्यक्तियों ने लाभ उठाया और इसके साथ जेआरएफ हैल्थ कार्ड भी अनेक सदस्यों ने बनवाए जिसमें रेणु रांका और माणकचन्द लुणावत का सहयोग रहा। शिविर का प्रारम्भ दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष निर्भय लाल गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष महैन्द्र कुमार रांका, उपाध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, सेवा मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, महामंत्री ललित डाकलिया, कोषाध्यक्ष रमेश गुलेच्छा, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, विकास खटोड़, पुष्पा चौपड़ा, रेखा चौपड़ा, रेणु रांका एवं मंडल के सदस्यों द्वारा परमात्मा एवं गुरुदेव के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया।

मुनिश्री मलयप्रभ सागरजी म. सा. मुनिश्री मुकुलप्रभ सागरजी म. सा, साध्वीश्री प्रियस्वर्णांजना श्रीजी ने अपनी निश्रा प्रदान की और कहा कि आज के समय में स्वास्थ्य सुविधाओं की बहुत जरूरत है। स्वास्थ्य शिविर में संयोजक रनजीत मेहता, नितेश बोहरा, कुनाल मरलेचा के साथ मंडल के अनेक सदस्यों पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, प्रकाश पोफलिया, राकेश डाकलिया, विनय खटोड़, विकास बच्छावत, गिरीश बोहरा, मनीष धारीवाल, तिलोक गोलिया, तेजस छाजेड़, जितेन्द्र नाहर, भरत कोठारी आदि अनेक सदस्यों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। मंडल द्वारा अपोलो हॉस्पिटल की टीम का सम्मान किया गया।

तपस्वियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के चामराजपेट स्थित महावीर स्वामी वर्षीतप चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) के तत्वावधान में वर्षीतप के तपस्यार्थियों ने 365 दिवस सेवा देने वाले सभी सेवा भावी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता ने सभी देवा देने वालों को भाग्यशाली बताते हुए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। ट्रस्ट के मंत्री संतोष चौहान ने बताया कि गत 8 वर्षों से प्रति पारणे के दिन सुबह आकार सम्पूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था हो, संघ यात्रा आदि कार्यक्रमों में सेवा कार्य हो उनकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

ट्रस्ट के उपाध्यक्ष गौतम मुथा के संचालन में अपने भाव रखे। इस अवसर पर ट्रस्ट के महावीर मेहता, संतोष चौहान, महावीर श्री श्रीमाल, गौतम मुथा, गजेंद्र चांदावत, प्रवीण पोरवाल, किशोर पोरवाल, प्रवेश बालर आदि एवं तपस्वियों में सुनील गादिया, प्रवीण सोफाड़िया, प्रकाश वोरा, प्रकाश गुलेच्छा, यशपाल नाहर, कैलाश मुथा, प्रवीण सोनिगरा, हसमुख सोनिगरा, शांतिलाल चोपड़ा, जवाहरलाल चौहान, आदि तपस्वी उपस्थित थे। गौतम पोरवाल के बताया सभी तपस्वियों के पारणे का कार्यक्रम 9 मई को होगा। तपस्वियों का वरघोड़ा एवं अक्षय तृतीया पारणा का सम्पूर्ण कार्यक्रम पैलेस ग्राउन्ड गेट नं. 9 में प्रिंसेस श्राइन में 10 मई को रखा गया है। यह जानकारी कैलाश संखलेचा द्वारा दी गयी।

केपीपीएल मोतीलाल मुणोत कप का आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां कांठा प्रांत युवक परिषद के तत्वावधान में कांठा प्रांत के युवाओं की खेल प्रतिभा को सशक्त मंच प्रदान करने, उनमें आपसी जुड़ाव बढ़ाने तथा नेटवर्किंग को विस्तार देने के उद्धेश्य से प्रति वर्ष आयोजित होने वाले मोतीलाल मुणोत कप का आगाज़ बेंगलूरु के रेलवे ग्राउंड में हुआ। काँठाप्रांत प्रीमियर लीग के इस छठे संस्करण का उद्धघाटन तमिलनाडु अल्पसंख्यक आयोग के निदेशक प्यारेलाल पितलिया ने किया। परिषद के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि व विशेष अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर उद्धघाटन समारोह की विधिवत शुरुआत की।

परिषद अध्यक्ष कोठारी ने सभी प्रायोजकों तथा टीम मलिकों का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी रूप में सहयोग आयोजन की सफलता का मार्ग सुगम करता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्यारेलाल पितलिया ने कहा कि प्रतियोगिताओं से जुड़ने वाले खिलाड़ी बेहतर नेटवर्क के कारण अच्छे खेल प्रदर्शन के साथ भविष्य के अच्छे समाज सेवक व राजनेता भी बन सकते है।

केपीपीएल के मुख्य प्रायोजक महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जो खेलेगा वो खिलेगा, खेल से शारीरिक शक्ति के साथ मानसिक शक्ति का भी विकास होता है। उनके पिताजी के नाम से प्रतियोगिता के आयोजन का अवसर देने के लिये उन्होंने परिषद का आभार व्यक्त किया। विशेष अतिथि प्रकाश गुगलिया ने परिषद की सभी जनसेवी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता से बेंगलूरु काँठा प्रांत के युवाओं में जुड़ाव के अच्छे अवसर पैदा होते है। संचालन करते हुए परिषद मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने परिषद की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। केपीपीएल के संयोजक विजय गुगलिया व सह संयोजक अमित कोठारी ने प्रतियोगिता के सभी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए सभी मैचों का क्रमवार विवरण रखा। इस मौके पर समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

स्थानकवासी समुदाय की साध्वी, सतियों का हुआ नगर प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक गज केसरी श्री गणेशलालजी म. सा. की अनुयायी साध्वीश्री सुशीलाजी म.सा., साध्वी जयश्रीजी म.सा., साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी म.सा. आदि संतियों का कृष्णराजपुरम, राममूर्तिनगर श्रीसंघ में रविवार को जयकारों के साथ नगर प्रवेश हुआ। साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी म.सा. ने संत समागम का महत्व बताया। साध्वी श्री जिज्ञसाश्रीजी म. ने मधुर भजन प्रस्तुत किया। साध्वी जिज्ञाश्रीजी ने प्रवेश के महत्व को बताया।

साध्वी सुशीलाजी ने सबको आशीर्वाद स्वरूप सम्यक दर्शन प्राप्त करते हुए प्रभु द्वारा प्रेरित मार्ग पर चलने की बात कही। संघ के मंत्री रिखबचन्द मेहता ने समस्त संघों और पदाधिकारियों का स्वागत किया। आगामी 5 मई को साध्वी सुशीलजी म.सा. का 50वां संयम स्वर्ण दिन गणेश बाग में तीन सामायिक और आराधना के साथ होगा।

युवा जैन जागृति शिविर 12 मई को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सुधर्म श्रावक संघ के तत्वावधान में चामराजपेट स्थित सुधर्म जैन पौषध शाला भवन में 18 साल के ऊपर वाले अविवाहित युवक युवतियों के लिए एक दिवसीय युवा जैन जागृति शिविर का आयोजन 12 मई को होने जा रहा है। इस शिविर में भाग लेने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल है। इस शिविर में विभिन्न जैन विद्वान पंडित स्वाध्यायियों द्वारा जैन धर्म की सामान्य जानकारी के साथ साथ जैनत्व के संस्कार दिए जायेंगे। शिविर में नामांकन के लिए गुगल फार्म भरना होगा। अधिक जानकारी के लिए शुभम मास्टरजी से फोन नं. 7374027208 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

मोबाइल के चलते आने वाली नस्ल कमजोर हो रही है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयपुरा। यहां श्री जगवल्लभ पार्श्व जैन श्वेताम्बर संघ में आचार्यश्री महेन्द्र सागरसूरीजी म.सा. सुबह पहुंचे।

उन्होंने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज के वर्तमान समय में लैपटॉप व मोबाइल का जादू हर व्यक्ति के सिर पर चढ़कर बोल रहा है। अब तो बड़े तो बड़े बच्चे भी मोबाइल की चपेट में आ चुके हैं। पूरी तरह उनके आधीन हो गए हैं। चिंताजनक बात यह है कि बच्चे अपना बचपन भूलकर मोबाइल की दुनिया में खो रहे है। वे इन यंत्रों से बचपन में जवान हो रहे है। रिश्ते नातों के प्रति जुडाव-आदर भाव और संस्कार जैसे गायब हो रहे हैं। अभिभावकों को इस समस्या पर ध्यान देना होगा और बचपन व तरुणाई को बचाने का प्रयास करना होगा।

आचार्य प्रसन्नसागर का मैसूरु में प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहां आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी मुनिराज का ससंघ मैसूरु के एम एल जैन बोर्डिंग में प्रवेश हुआ। भव्य मंगल प्रवेश विशाल शोभा यात्रा के साथ हुआ। इसमें समाज के अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं के पदाधिकारियों सहित विशाल जन समूह ने जयकारों के साथ इन महान तपस्वी का अभिनन्दन किया।

इस मांगलिक अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, महिला मण्डल सहित हरीश हेगड़े ने आचार्य भगवन के चरणों में श्रीफल चढ़ाया। मंगलाचरण वर्णीक्षुल्लक नैगम सागर ने गुरु के स्थान को भगवान से भी ऊँचा बताते हुए किया। निर्यापक मुनिश्री नयपद्म सागर ने और प्रवर्तक मुनिश्री सहज सागर ने आचार्य के उपकारों का उल्लेख करते हुए कहा ये वो संत हैं जो संसार में भटकते हम जैसे प्राणियों को मोक्ष मार्ग पर ले आये, ये पारस मणि हैं। उपाध्यायश्री पीयूष सागरजी ने मैसूरु गौरव क्षपकराज पर्व सागर की अद्भुत अनुकरणीय समाधि की गाथा सुनाकर सबों को भावविभोर कर दिया । आचार्यनी प्रसन्न सागर ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शांति धर्म की शरण में जाने से मिलती है, अन्य स्थानों पर नहीं, लेकिन लोग उसे भौतिक वस्तुओं में खोज रहे हैं।

मार्ग की विपरीतता के कारण धर्म की लालिमा धुंधली होती जा रही है। बच्चों और युवा पीढ़ी को को जैसा परिवेश मिलेगा, वे वैसा ही करेंगे और आगे बढ़ेंगे। हम जैसा चाहें बच्चों को वैसा बना सकते हैं क्योंकि बच्चे कच्चे घड़े के समान हैं। धर्म बहुत गुप्त वस्तु है, जो अंर्तशोधन से प्राप्त होती है। धर्म, धर्म है संप्रदाय नहीं। पश्चात् गुरु, पूजा,आरती और प्रतिक्रमण भी हुए।

आचार्य विमलसागर के चातुर्मास को लेकर बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। रविवार को दोपहर में आचार्यश्री विमलसागर सूरीश्वरजी म.सा. के आगामी चातुर्मास को लेकर चारों समाज संघों केपदाधिकारियों, युवक मंडल, महिला मंडल के साथ एक समीक्षा बैठक की गई। बैठक में विचार विमर्श के बाद सभी ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

मैसूरु जैसी नगरी में यह सभी के लिए आनन्द और सुख की अनुभूति है कि इतने महान संत का चातुर्मास होने जा रहा है। सभी संघों ने श्री कल्याण मित्र वर्षोवास समिति को धन्यवाद दिया कि उन्होंने गुरुदेव को मैसूरु में चातुर्मास के लिए जय बुलाई गई। सभी मैसूरु वासियों को गुरुदेव के आने का इंतजार है। आचार्यश्री का चातुर्मास प्रवेश 7 जुलाई को सिद्धार्थ लेआउट में मैसूरु दूध डेयरी के पास के रोड में गुरु शिक्षण चौल्ट्री में चातुर्मास प्रवेश होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कविता

ईश का उपहार

अमोलक साधना है, ईश का उपहार है बिटिया,
सुबह की बाँसुरी है, शाम का श्रृंगार है बिटिया।

किसी भी धर्म या मजहब की बातें हों ज़माने में,
जहाँ जुड़ते हों मन के तार, वो त्योहार है बिटिया।

खिला करती है फुलवारी, क़दम पड़ते हैं जब इसके,
सुखी घर-द्वार की शोभा, सुखद संसार है बिटिया।

चहकती है तो लगता है, बजी हो घंटी मंदिर की,
सुरों की कल्पना, योगी का मंत्रोच्चार है बिटिया।

बिना इसके अधूरी लगती है, संबंधों की कड़ियाँ,
चिरंतन सत्य है, हर प्राण की मनुहार है बिटिया।

सुकूं को नापने का, बन नहीं पाया है पैमाना,
अगर परिवार है वीणा, तो उसकी तार है बिटिया।

परे है कल्पना से अहमियत इसकी मैं क्या लिक्खूं,
मेरी धड़कन, मेरा चिंतन, मेरा उद्गार है बिटिया।

■ माणिक विश्वकर्मा ’नवरंग’
मो.9424141875

स्वागत — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली में केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल यहां धारवाड़ में भाजपा के प्रत्याशी प्रह्लाद जोशी के प्रचार के लिए पहुंचे। यहां उन्होंने राजस्थान प्रवासियों से मुलाकात की। यहां भाजपा विविध भाषा समिति के सदस्य विनोद कुमार पटवा, भाजपा प्रधान कार्यदर्शी दत्तमूर्ति कुलकर्णी सहित अनेक लोगों ने उनका सम्मान किया। इस मौके पर विनोद पटवा ने हुब्बल्ली और अहमदाबाद और हुब्बल्ली जोधपुर एयर कनेक्टीविटी, और इस क्षेत्र में अतिरिक्त रेलवे सेवाएं शुरु करवाने का अनुरोध किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com